



महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंखार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Website:- www.malwaherald.com

17 वर्षों से निरंतर....

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

माँ दुर्गा का द्वितीय ईश्वरीय स्वरूप



माँ ब्रह्मचारिणी

वर्ष : 17 अंक : 123

उज्जैन, सोमवार 12 अक्टूबर 2026

पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

न्यूज ब्रीफ

आपका भरोसा सबसे जरूरी,

कपिल सिब्बल की नो फेथ

टिप्पणी पर सुप्रीम कोर्ट का जवाब



नई दिल्ली/ जीएनएस। सुप्रीम कोर्ट ने रविवार को प्रदर्शन के दौरान सख्ती और हिंसासत में लिए गए लोगों को लेकर एक विशेष सुनवाई के दौरान जोर देकर कहा कि उसका मुख्य मकसद न्यायिक प्रणाली में आम जनता का भरोसा जगाना है। अदालत ने वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल को भरोसा न होने वाली टिप्पणी का जिक्र करते हुए कहा कि अन्याय के खिलाफ न्यायपालिका की लड़ाई में कानूनी विरादरी और नागरिकों का भरोसा बेहद महत्वपूर्ण है। सुनवाई के दौरान जस्टिस जय्यमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा, हमारा मकसद लोगों का सिस्टम में भरोसा जगाना है और इस पूरी प्रक्रिया में अन्याय के खिलाफ हमारी लड़ाई के लिए आपका (सिब्बल का) विश्वास बहुत जरूरी है। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए कि वे राजधानी दिल्ली में सीजेपी और अन्य संगठनों के विरोध प्रदर्शनों के दौरान शांतिपूर्ण सभाओं में शामिल होने वाले लोगों को गैर-कानूनी तरीके से हिंसासत में लेने से रोकें। अदालत ने केंद्र सरकार को स्पष्ट निर्देश दिया कि वह कानून-व्यवस्था की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए यह सुनिश्चित करे कि दिल्ली मेट्रो सेवाएं सामान्य रूप से चलें और इंटरनेट सेवाएं बिना किसी रुकावट के जारी रहें। सीनियर वकील कपिल सिब्बल ने विरोध प्रदर्शनों के बीच दिल्ली में लगाई गई पाबंदियों के संबंध में सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि शीघ्र अदालत के इस हस्तक्षेप से देश का न्याय व्यवस्था में पेशेवरों और आम जनता का विश्वास फिर से बहाल होता है। बता दें कि चुनाव आयोग के कामकाज में कथित अनियमितताओं को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ सीजेपी और अन्य संगठनों ने बड़े पैमाने पर प्रदर्शन का आह्वान किया था। प्रशासन ने सुरक्षा कार्रवाइयों का हवाला देते हुए जंतर-मंतर पर भीड़ इकट्ठा करने से रोक दिया था।

पहाड़ी और सीमावर्ती इलाकों में बेहतर होंगी स्वास्थ्य सेवाएं



नई दिल्ली/ जीएनएस। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा सोमवार को हिमाचल प्रदेश के लाहौल-स्पीति जिले के कैलाश में ICMR सेंटर फॉर हार्ड एल्टीट्यूड मेडिसिन एंड पब्लिक हेल्थ रिसर्च की आधारशिला रखेंगे। यह केंद्र इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च द्वारा केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के तहत स्थापित किया जा रहा है। इसका मकसद भारत के अधिक ऊंचाई वाले और जलवायु के प्रति संवेदनशील इलाकों पर केंद्रित मल्टी-डिसिप्लिनरी रिसर्च, इनोवेशन और क्षमता निर्माण को मजबूत करना है। हिमालयी इकोसिस्टम में अधिक ऊंचाई, बहुत कठिन मौसम, मुश्किल इलाके, भौगोलिक अलगाव और जलवायु में बढ़ते बदलावों के कारण सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़ी खास चुनौतियां पैदा होती हैं। ये कारक बीमारियों के पैटर्न, स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच, काम से जुड़ी सेहत और आपातकालीन स्थिति में प्रतिक्रिया पर असर डालते हैं। यह केंद्र वैज्ञानिक सबूत जुटाने और इन मुश्किल हालात में रहने और काम करने वाले लोगों के लिए खास तौर पर तैयार किए जा सकने वाले और बड़े पैमाने पर लागू किए जा सकने वाले हेल्थकेयर समाधान विकसित करने का काम करेगा। केंद्र के रिसर्च के दायरे में अधिक ऊंचाई पर शरीर की कार्यप्रणाली और वहां के माहौल में ढलने की प्रक्रिया, माउंटन मेडिसिन, जलवायु-संवेदनशील और नई उभरती बीमारियां, संक्रामक और गैर-संक्रामक बीमारियां, मां और बच्चे की सेहत, पोषण, मानसिक स्वास्थ्य, पर्यावरण और काम से जुड़ी सेहत, और आवादा चिकित्सा शामिल होंगे।

यह हमारा आंतरिक मामला, नसीहत की जरूरत नहीं, CJP प्रोटेस्ट पर UN की टिप्पणियों को भारत ने किया खारिज

नई दिल्ली/ जीएनएस। कांक्रोच जनता पार्टी के दिल्ली विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई गिरफ्तारियों पर संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग की चिंताओं को भारत सरकार ने सिरे से खारिज कर दिया है। भारत के विदेश मंत्रालय ने इसे भारत के आंतरिक मामलों में बेवजह दखलंदाजी बताया।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने रविवार को स्पष्ट किया कि भारत में कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने सुरक्षा और सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरी तरह से कानून के दायरे में रहकर कार्रवाई की है।

X पर जारी एक वीडियो बयान में, MEA के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारतीय संविधान शांतिपूर्ण सभा के अधिकार की गारंटी देता है, जिसकी सुरक्षा देश की मजबूत संस्थाएं, स्वतंत्र न्यायपालिका और निष्पक्ष मीडिया करते हैं।



उन्होंने कहा कि नई दिल्ली की घटनाओं पर संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय की टिप्पणियां अनुचित हैं, क्योंकि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। जहाँ नागरिकों के अधिकारों की पूर्ण सुरक्षा की जाती है। सार्वजनिक व्यवस्था और कानून का पालन-रणधीर जायसवाल ने कहा, हर लोकतंत्र की तरह, भारतीय नागरिक भी सार्वजनिक व्यवस्था और सुरक्षा बनाए रखने की शर्तों के साथ इस अधिकार

का इस्तेमाल करते हैं। हमारी कानून लागू करने वाली एजेंसियां कानून को मुताबिक सख्ती से काम करती हैं और हमारी अदालतें किसी भी शिकायत के समाधान के लिए सभी के लिए उपलब्ध हैं। इसलिए, OHCHR की चिंताएं बेवुनियाव हैं और भारत के आंतरिक मामलों में अस्वीकार्य दखल रहे हैं।

रणधीर जायसवाल ने विरोध प्रदर्शनों पर प्रतिक्रिया देने के मामले में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार संस्था के चुनौती रावैये की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक बयान जारी करने के मामले में OHCHR का रुख बेहद पक्षपातपूर्ण रहा है। भारत के पड़ोसी देशों में प्रदर्शनकारियों पर हुई हिंसक कार्रवाइयों पर संस्था ने चुप्पी साधे रखी और जिनेवा स्थित अपने मुख्यालय के पास हुई पुलिसिया कार्रवाइयों पर भी कोई टिप्पणी नहीं की।

कान्हा टाइगर रिजर्व के सूपखार में सौ साल बाद जंगली भैंसों की वापसी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने काजीरंगा से लाए गए आठ जंगली भैंसों को 17 हेक्टेयर के बाड़े में छोड़ा



भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश में विलुप्त हो चुके जंगली भैंसों को उनके प्राकृतिक आवास में पुनः स्थापित करने की दिशा में रविवार को एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कान्हा टाइगर रिजर्व के सूपखार परिक्षेत्र में जंगली भैंसा पुनर्स्थापना कार्यक्रम के अंतर्गत क्वारंटाइन अवधि पूरी कर चुके आठ जंगली भैंसों को एक हेक्टेयर के छोटे बाड़े से 17 हेक्टेयर क्षेत्रफल में निर्मित बड़े बाड़े में विमुक्त किया। इस पहल का उद्देश्य जंगली भैंसों को क्षेत्र की आबाहवा और पर्यावरण के अनुकूल बनाकर उनके प्राकृतिक आवास में पुनर्स्थापित करना है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर कहा कि मध्यप्रदेश के लिए आज का दिन महत्वपूर्ण है। लगभग सौ वर्षों बाद कान्हा टाइगर रिजर्व के सूपखार परिक्षेत्र में जंगली भैंसों की पुनर्स्थापना का दूसरा चरण प्रारंभ हो रहा है। असम के मुख्यमंत्री श्री हिमंत बिस्वा सम्रा के सहयोग से काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान से लगभग 2200 किलोमीटर की दूरी तय कर आठ जंगली भैंसों को मध्यप्रदेश लाया गया है।

वर्षाकाल समाप्त होने के बाद इन्हें प्राकृतिक आवास में बसाने की दिशा में आगे बढ़ाया जाएगा।

दो चरणों में काजीरंगा से लाए गए आठ जंगली भैंसे- जंगली भैंसा पुनर्स्थापना परियोजना के तहत असम के काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान से दो चरणों में आठ जंगली भैंसों को कान्हा टाइगर रिजर्व के सूपखार परिक्षेत्र में लाया गया था। प्रथम चरण में 28 अप्रैल 2026 को तीन मादा और एक नर जंगली भैंसे

हेक्टेयर के बड़े बाड़े में स्थानांतरित कर विमुक्त किया।

तीन वर्षों में 50 जंगली भैंसों को बसाने का लक्ष्य- मध्यप्रदेश के वन क्षेत्रों से जंगली भैंसे लगभग सौ वर्ष पहले विलुप्त हो चुके थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की प्रेरणा से वन विभाग ने इस प्रजाति को पुनः स्थापित करने के लिए विशेष योजना तैयार की है। सूपखार क्षेत्र में पूर्व में जंगली भैंसों की उपस्थिति के प्रमाण मिलने के आधार पर यहां पुनर्स्थापना परियोजना क्रियान्वित की जा रही है। इस परियोजना के अंतर्गत आगामी तीन वर्षों में कुल 50 जंगली भैंसों को पुनः स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। यह पहल मध्यप्रदेश में जैव-विविधता के संरक्षण, वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास को मजबूत बनाने और विलुप्तप्राय प्रजातियों के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

वन्यजीव संरक्षण के साथ क्षेत्र के विकास पर जोर- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार विलुप्त हो चुके वन्यजीवों को पुनः स्थापित कर पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। उन्होंने

बताया कि 7 अक्टूबर को नौरादेही में रानी दुर्गावती के नाम पर अभयारण्य बनाकर चीतों के लिए तीसरा छिकाना विकसित करने की पहल की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भैंसे लगभग सौ वर्ष पहले विलुप्त हो चुके थे। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश से नक्सलवाद के खामे के बाद इस क्षेत्र में विकास की नई संभावनाएं सामने आ रही हैं।

कार्यक्रम में पिछड़ा वर्ग आयोग की सदस्य श्रीमती मौसम बिसेन, पूर्व मंत्री रामकिशोर कांवेर, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती अनुपमा नेताम, मध्यप्रदेश अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्य भगतसिंह नेताम,श्री रविंद्र मणि त्रिपाठी, प्रमुख सचिव वन श्री राघवेंद्र सिंह, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) डॉ. समिता राजोरा, बालावाट के पुलिस उप महानिरीक्षक श्री विनीत जैन, कलेक्टर श्री कुमार सत्यम, पुलिस अधीक्षक श्री आदित्य मिश्रा, कान्हा टाइगर रिजर्व के क्षेत्र संचालक श्री प्रकाश वर्मा, उप संचालक (कोर) सुश्री अमिता के.बी., उप संचालक (बफर) समस्त सहायक संचालक, परिक्षेत्र अधिकारी तथा स्थानीय वन अमला उपस्थित रहा।

अररिया में स्मैक तस्करों का STF पर जानलेवा हमला, 6 जवान घायल

अररिया/ जीएनएस। नरपतंग-फारबिसगंज फोरलेन हाईवे पर नरपतंगज थाना क्षेत्र के थलह नहर के समीप रविवार की दोपहर उस समय अफरातफरी मच गई, जब मादक पदार्थ तस्करों को पकड़ने गई एसटीएफ की टीम पर हमला कर दिया गया।



आरोप है कि स्मैक तस्करों ने एकजुट होकर जवानों पर लाठी-डंडे और लोहे की रड से हमला किया। इस दौरान छह जवानों के घायल होने की जानकारी सामने आई है, जिनमें चार की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटनास्थल पर 10 राइंड से अधिक गोली चलने की भी सूचना है। हालांकि, फायरिंग की परिस्थितियों और इसमें शामिल लोगों की भूमिका की पुलिस जांच कर रही है। घटना के बाद पुलिस ने तीन आरोपितों को गिरफ्तार

किया है, जबकि अन्य की तलाश में छापेमारी की जा रही है। गुप्त सूचना पर छापेमारी करने पहुंची थी एसटीएफ की टीम- प्राप्त जानकारी के अनुसार, एसटीएफ की टीम गुप्त सूचना के आधार पर खैरा पंचायत के देवीगंज स्टेशन के समीप छापेमारी करने पहुंची थी। इस दौरान टीम ने दयानंद साह और अनिल साह को गिरफ्तार किया। इसके बाद गिरफ्तार आरोपितों की निशानदेही

पर खैरा गढ़िया पंचायत के समीप फोरलेन पर मादक पदार्थों की बरामदगी के लिए छापेमारी करने का प्रयास किया जा रहा था। इसी दौरान आरोप

है कि खैरा पंचायत के अचानक हुए हमले के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। जवानों ने वहां से निकलने का प्रयास किया, लेकिन आरोप है कि हमलावरों ने उन्हें खदेड़कर पीटा। इस दौरान गोली चलने की आवाज से आसपास के इलाके में

मुखिया प्रतिनिधि उमर फारूक और उसके सहयोगियों ने अन्य लोगों के साथ मिलकर एसटीएफ की टीम पर हमला कर दिया। हमलावरों ने जवानों के साथ मारपीत की।

अचानक हुए हमले के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। जवानों ने वहां से निकलने का प्रयास किया, लेकिन आरोप है कि हमलावरों ने उन्हें खदेड़कर पीटा। इस दौरान गोली चलने की आवाज से आसपास के इलाके में

दहशत फैल गई।

हमले में एसटीएफ की बोलेरो गाड़ी के साथ एक सफेद रंग की टोयोटा ग्लैंजा कार को भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने के साथ आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई शुरू की।

पुलिस ने इस मामले में दयानंद साह, पिता आनंदी साह, निवासी देवीगंज वाई संख्या 13; राजकुमार साह, पिता सदानंद साह, निवासी खैरा गढ़िया वाई संख्या 13; तथा जुलफिकार, पिता मो. शणिक, निवासी मधु पतार वाई संख्या 14 को गिरफ्तार किया है। पुलिस गिरफ्तार आरोपितों से पृच्छाछ कर घटना में शामिल अन्य लोगों की भूमिका का पता लगाने में जुटी है।

ऐसा कोई बॉन्ड साइन नहीं किया, रिहाई के बाद अभिजीत दीपके ने फिर भरी आंदोलन की हुंकार

नई दिल्ली/ जीएनएस। कांक्रोच जनता पार्टी नेता अभिजीत दीपके ने फिर से सड़कों पर उतरने का संकल्प दोहराया है, उन्होंने कहा कि विरोध करने पर कोई रोक नहीं है।

अभिजीत दीपके ने रविवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन फिर से शुरू करने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि उन्होंने ऐसा कोई बॉन्ड या अंडरटेकिंग साइन नहीं किया है जो उन्हें सड़कों पर उतरने से रोकता हो।

यह बयान सीजेपी के उन आरोपों के बीच आया है जिनमें

हम विरोध नहीं करेंगे। हम फिर से सड़कों पर उतरेंगे। कांक्रोच जनता पार्टी के नेता अभिजीत दीपके, सौरव दास और आशुतोष रांका को एक अदालत ने रविवार को रिहा कर दिया। उन्हें शनिवार को दिल्ली में विमान से उतरने के बाद हिरासत में लिया गया था और आज सुबह एहतियातन गिरफ्तार किया गया था। सूत्रों के मुताबिक, उन्हें इस शर्त पर रिहा किया गया कि वे एक साल कर कोई ऐसा काम नहीं करेंगे जिसे शांति भंग करना माना जाए। सीजेपी के इन तीन नेताओं को आज सुबह दिल्ली कैटोनमेंट में एजीक्यूटिव मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किया गया था।



कहा गया है कि दिल्ली में हालिया आंदोलन के दौरान अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों पर पाबंदियां लगाईं और पार्टी नेताओं को हिरासत में लिया। दीपके ने कहा ये पाबंदियां पार्टी को अपना विरोध जारी रखने से नहीं रोक पाएंगी। उन्होंने एक्स पर लिखा, हमने ऐसा कोई बॉन्ड साइन नहीं किया है जिसमें लिखा हो कि

तमिलनाडु सीएम विजय ने मंच से प्रधानमंत्री के सामने रखी कई मांगें, मोदी ने थलापति को दिया बड़ा तोहफा

चेन्नई/ जीएनएस। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तमिलनाडु के दौरे के दौरान राज्य के विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने कहा कि राज्य में भले ही सरकारें बदलती रही हों, लेकिन तमिलनाडु की तरक्की और यहां के लोगों की सेवा करने का उनका संकल्प हमेशा एक जैसा मजबूत रहा है। प्रधानमंत्री ने चेन्नई में 13 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे से जुड़े प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस दौरान उनके साथ तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय भी विशेष रूप से मौजूद रहे।



इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने तमिलनाडु को केंद्र सरकार की ओर से हरसंभव मदद और निरंतर सहयोग जारी रखने का पूरा भरोसा दिलाया।

देश और राज्यों के रिश्ते पर दिया जोर- कार्यक्रम के दौरान पीएम मोदी ने देश और राज्यों के मजबूत

रिश्ते पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अगर देश को मजबूत बनाना है, तो सबसे पहले राज्यों को आर्थिक रूप से सशक्त करना होगा। इसी दिशा में केंद्र सरकार तमिलनाडु जैसे राज्यों में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को लगातार बढ़ावा दे रही है।

मेक इन इंडिया और वोकल फॉर लोकल जैसी महत्वाकांक्षी पहलों का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि इन योजनाओं से तमिलनाडु को अभूतपूर्व लाभ मिला है।

मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में हुई इस बढ़ोतरी से देश भर के लाखों युवाओं के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के नए अवसर पैदा हुए हैं, जिसमें तमिलनाडु की भूमिका बेहद सराहनीय और अग्रणी रही है।

शहरी विकास और पब्लिक ट्रांसपोर्ट के महत्व पर बात करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि पिछले 12 सालों के भीतर देश के 25 प्रमुख शहरों तक मेट्रो सेवाओं का शानदार विस्तार हुआ है। साल 2014 में देश का मेट्रो नेटवर्क महज 250 किलोमीटर था, जो बढ़कर साल 2026 में 1,100 किलोमीटर तक पहुंच गया है।

स्टेट प्रेस क्लब के संवाद में गरबा आयोजनों की पवित्रता और सुरक्षा पर जोर, आयोजकों का सम्मान

‘शक्ति, भक्ति और सख्ती’ विषय पर हुआ परिसंवाद, नाजिया इलाही खान, विधायक गोलू शुक्ला और वरिष्ठ पत्रकार पलक शर्मा ने रखे विचार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्टेट प्रेस क्लब, मध्यप्रदेश द्वारा ‘शक्ति, भक्ति और सख्ती’ विषय पर परिसंवाद एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में गरबा महोत्सवों की धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं, आयोजनों की सुरक्षा और सनातन संस्कृति के संरक्षण पर वक्ताओं ने अपने विचार रखे। इस अवसर पर गरबा आयोजकों को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पश्चिम बंगाल की सुप्रीम कोर्ट अधिकािका एवं सनातनी प्रवक्ता नाजिया इलाही खान ने गरबा आयोजनों में प्रवेश करने वाले लोगों की पहचान और सुरक्षा व्यवस्था पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि गरबा पांडालों के संचालकों को किसी भी प्रकार के दबाव में आने की आवश्यकता नहीं है और सुरक्षा सुनिश्चित करना पुलिस-प्रशासन की जिम्मेदारी है। उन्होंने गरबा देखने जाने वाले मुस्लिम युवाओं को लेकर भी विवादास्पद टिप्पणी की और कलावा पहनने, तिलक लगाने तथा गौमूत्र का सेवन करने जैसी बातें कहीं। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ मुस्लिम संगठन हिंदू त्योहारों के दौरान



हिंदू युवतियों को अपने जाल में फंसाने की योजनाएं बनाते हैं।

भाजपा विधायक गोलू शुक्ला ने गरबा आयोजकों से नौ दिवसीय महोत्सव के दौरान सनातन संस्कृति और धार्मिक परंपराओं का ध्यान रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि गरबा केवल मनोरंजन का आयोजन नहीं, बल्कि माता की आराधना का पर्व है। इसलिए आयोजनों में पारंपरिक गीतों और भजनों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

नई दिल्ली की वरिष्ठ पत्रकार पलक शर्मा ने कहा कि भारत विविधताओं और अनेक

संस्कृतियों वाला देश है। भारतीय संस्कृति, खान-पान, नृत्य और योग को दुनिया भर में अपनाया जा रहा है। ऐसे में युवाओं की जिम्मेदारी है कि वे अपनी संस्कृति के महत्व को समझें और उसे आगे बढ़ाने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि गरबा को केवल मेकअप और पहनावे तक सीमित न रखकर माता की आराधना के पर्व के रूप में देखा जाना चाहिए।

वरिष्ठ समाजसेवी पं. योगेंद्र महंत और योगेश मेहता ने भी अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि इंदौर स्वच्छता के साथ-साथ सांस्कृतिक और धार्मिक आयोजनों के क्षेत्र में भी अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। कार्यक्रम में ताल गरबा महोत्सव के शेखर भंडारी, लक्ष्य गरबा महोत्सव के नंदू कोरडे, सादगी गरबा महोत्सव के नीलेश चौधरी और चारभुजा ना गरबा महोत्सव के घनश्याम वैष्णव ने अपने आयोजनों की तैयारियों की जानकारी दी। गरबा संचालकों ने बताया कि आयोजन में प्रवेश करने वाले दर्शकों की उचित जांच की जाएगी।

समारोह के दौरान शहर के विभिन्न गरबा महोत्सवों के आयोजकों और सहयोगियों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में अभिव्यक्तिक के तिलक कनार, सादगी गरबा के नीलेश चौधरी, भारत जोशी, धर्मेश पंडित, लक्ष्य गरबा के नंदू कोरडे, अतुल मेंडे, राजेश गोस्वामी, तन्मय चौहान, ताल गरबा के शेखर भंडारी, बाणेश्वरी गरबा मंडल के दीपेन्द्र सिंह सोलंकी, प्रयास गरबा के ओम व्यास और कान्हा राजगुरु, चारभुजा ना गरबा के घनश्याम वैष्णव, डिम्पल तिवारी, सीमा बालूसे और नेहा शुक्ला शामिल रहे। इनके अलावा वैष्णव धाम गरबा मंडल के देवेन्द्र ईनाणी तथा इन्द्रास गरबा के विकास जैन, अंकित बैरागी और रोहित गढ़वाल को भी सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत स्टेट प्रेस क्लब के अध्यक्ष प्रवीण खारीवाल सहित पुष्कर सोनी, सोनाली यादव, मीना राणा शाह, संजय मेहता, नीलेश कांठेड और राजेश शर्मा ने किया। अतिथियों को स्मृति चिह्न पंकज क्षीरसागर, सुनील जैन, बंसीलाल लालवानी, प्रवीण धनोतिया, पुष्पा यादव और शैलेन्द्र श्रीमाल ने भेंट किए।

इंदौर में 12 हॉस्टलों को 4 महीने से नहीं मिला बजट, 1500 छात्र परेशान; दूध-राशन का भुगतान ठप

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा संचालित 12 छात्रावासों में इन दिनों दैनिक खर्चों को लेकर ही चिंता बढ़ी हुई है। दरअसल, बीते 4 महीने से इन छात्रावासों में संचालन के लिए राशि का आवंटन नहीं किया गया है। इसका नतीजा यह है कि कर्मचारियों की तनख्वाह से लेकर छात्रावास में रहने वाले बच्चों के खाने-पीने से लेकर दवाओं और अन्य सुविधाओं को बनाए रखना भी मुश्किल होने लगा है।

पेमेंट पोर्टल में बदलाव करते हुए एनएसए स्पर्श शुरू किया गया है। इसके बाद से राशि आवंटन नहीं हुआ है। बता दें कि इन 12 छात्रावासों में 1500 के लगभग छात्र-छात्राएं रहते हैं। राशि न मिलने से इन पर इसका सीधा असर हो रहा है। कर्मचारियों और राशन विक्रेताओं की परेशानी बढ़ी

चार महीने से राशि आवंटित न होने से अब दैनिक कामकाज भी बुरी तरह प्रभावित होने लगा है। छात्रावास प्रभारियों का कहना है कि छोटे कर्मचारियों के साथ ही दूधवाला, राशनवाला वाले समेत



अन्य लोग भी पैसे के लिए तगादा करने लगे हैं और हम जैसे तैसे एक-एक दिन काट रहे हैं। इतना ही नहीं अब चौकीदार, रसोइया समेत अन्य दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों ने पैसा मिलने के बाद ही सेवाएं देने का कहा। एक अन्य छात्रावास प्रभारी का कहना था कि विभाग से राशि आवंटित न होने के चलते वे बीते चार महीने से बिजली और वाईफाई का बिल अपनी जेब से दे रहे हैं और इसके लिए लगभग पचास हजार रुपये की राशि खर्च कर चुके हैं।

जिले के 12 छात्रावास जिनमें राशि का इंतजार- कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, राजेंद्र नगर कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, अजनोद (सांवेर)कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, बेटमा (देपालपुर)कस्तूरबा गांधी बालिका

विद्यालय, चोरल (महू)नेताजी सुभाष चंद्र बोस बालिका छात्रावास, राजेंद्रनगरनेताजी सुभाष चंद्र बोस बालिका छात्रावास, तिलौर खुर्देनेताजी सुभाष चंद्र बोस बालिका छात्रावास, सिमरौलनेताजी सुभाष चंद्र बोस बालिका छात्रावास, डोंगरगांवनेताजी सुभाष चंद्र बोस बालिका छात्रावास, केशरीपुरानेताजी सुभाष चंद्र बोस बालक छात्रावास, राजेंद्र नगर नेताजी सुभाष चंद्र बोस बालक छात्रावास, गौतमपुरानेताजी सुभाष चंद्र बोस बालक छात्रावास, गोम्मतगिरी जिला शिक्षा कार्यालय के पास है। 9 छात्रावासों की राशि का आवंटन डीपीसी कार्यालय और तीन की डीईओ कार्यालय से जारी होनी है। जिला योजना परियोजना समन्वयक के अनुसार उनकी ओर से राशि आवंटन की प्रक्रिया पूरी कर दी गई है। वहीं, डीईओ ऑफिस से राशि आवंटन प्रक्रिया में है।

इंदौर से जोधपुर और अहमदाबाद की शुरु होगी फ्लाइट

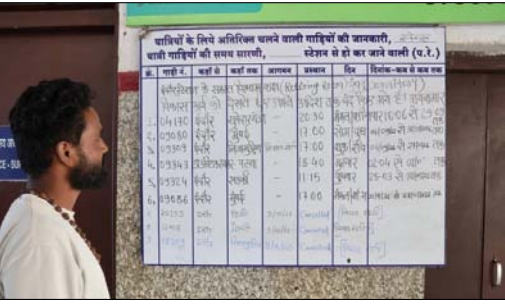
इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के देवी अहिल्याबाई हेलिकर एयरपोर्ट पर आगामी विंटर सीजन से जोधपुर के साथ ही अहमदाबाद के लिए तीसरी सीधी उड़ान शुरू होगी। वहीं जबलपुर उड़ान का संपर्क टूट जाएगा। मुंबई के लिए एयर इंडिया भी अपनी तीसरी उड़ान शुरू करेगा, वहीं इंडिगो की एक उड़ान कम होगी। यह बदलाव 25 अक्टूबर से लागू होगा। इसके साथ ही जोधपुर जैसे शहर सीधी हवाई सेवा से जुड़ेंगे तो जबलपुर जैसे शहरों से संपर्क टूट जाएगा।

इंडिगो की जोधपुर उड़ान का समय और विवरण- इंडिगो विमान कंपनी एक बार फिर राजस्थान के प्रमुख शहर जोधपुर के लिए सीधी उड़ान शुरू करने जा रही है। यह उड़ान यात्रियों को महज डेढ़ घंटे में जोधपुर पहुंचाएगी। सीधी उड़ान की सुविधा सप्ताह में चार दिन रविवार, सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को ही मिलेगी।

जोधपुर के लिए संचालित उड़ान को बीते वर्ष अगस्त से बंद कर दिया गया था। इसके बाद से ही विमान कंपनी इस उड़ान को फिर से शुरू करने की तैयारी कर रही थी। अब 25 अक्टूबर से 6ई 7675 उड़ान इंदौर से सुबह 11.10 बजे रवाना होगी और दोपहर 12.40 बजे जोधपुर पहुंचेगी। 6ई 7676 उड़ान जोधपुर से सुबह 9 बजे रवाना होगी और सुबह 10.25 बजे इंदौर पहुंचेगी।

विंटर सीजन में जोधपुर-जैसलमेर जाने वाले यात्रियों की संख्या अधिक- ट्रेवल एजेंट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के प्रदेश अध्यक्ष हेमेश सिंह जादौन का कहना है कि करीब एक वर्ष पहले बंद हुई इस उड़ान को फिर से शुरू करने को लेकर लंबे समय से मांग की जा रही थी। इस उड़ान से यात्री घंटों में जोधपुर पहुंच सकते हैं। विंटर सीजन में जोधपुर और जैसलमेर जाने वाले यात्रियों की संख्या अधिक होती है।

इंदौर से दिल्ली जाने वाली सभी ट्रेनें तय समय पर हुई रवाना, निरस्त हुई तीनों रेलगाड़ियां भी गई, दिल्ली से तीन ट्रेनें रहीं निरस्त



इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। दिल्ली में बुलाए गए सीजेपी के आंदोलन को देखते हुए देशभर से कई ट्रेनें निरस्त की गई थीं। इंदौर से भी शुक्रवार को तीन ट्रेनों इंदौर-निजामुद्दीन, महू-नईदिल्ली और इंदौर-नई दिल्ली को निरस्त कर दिया गया था। यह तीनों ट्रेनें शनिवार को अपने तय समय पर महू और इंदौर से रवाना हुईं। इससे यात्रियों को भी राहत मिली, क्योंकि शुक्रवार को ट्रेन निरस्त होने के कारण हजारों लोगों को परेशान होना पड़ा था।

दरअसल शनिवार को इंदौर से दिल्ली के लिए सात ट्रेनें अपने तय समय पर रवाना हुईं। इसमें वह तीन ट्रेनें भी शामिल थी, जो शुक्रवार को अचानक से निरस्त कर

दी गई थीं। इंदौर से ट्रेन निरस्त होने के कारण शनिवार को दिल्ली से यह ट्रेनें नहीं चल सकी, क्योंकि रैक नहीं पहुंचने के कारण तीनों ट्रेनों का संचालन नहीं हुआ। गौरतलब है कि इंदौर से दिल्ली तक और दिल्ली होते हुए आगे के लिए प्रत्येक शुक्रवार को सात ट्रेनें रवाना होती हैं। इसमें शाम पांच बजे इंदौर से चलने वाली 09309 इंदौर-निजामुद्दीन, शाम 5.10 बजे चलने वाली गाड़ी संख्या 12415 इंदौर-नई दिल्ली और शाम चार बजे महू से चलने वाली ट्रेन संख्या 20155 महू-

नई दिल्ली को निरस्त किया गया था।जबकि 20957 इंदौर-सफदरागंज, 12919 इंदौर-मालवा, 19325 इंदौर-निजामुद्दीन, 19307 इंदौर-उन्हना ट्रेनें शुक्रवार को संचालित रही थीं। अचानक ट्रेनें निरस्त होने से परेशान हुए यात्री-शुक्रवार को अचानक इंदौर से तीन ट्रेन निरस्त होने से रेलवे स्टेशन पहुंच चुके यात्रियों को परेशान होना पड़ा था। शुक्रवार को नहीं जा पाने वाले कई यात्रियों ने शनिवार को ट्रेनें में भी रिजर्वेशन टिकट नहीं मिला।जारी काम से जाने वाले यात्रियों ने जनरल का टिकट लेकर यात्रा की। टिकट नहीं मिलने से परेशान यात्रियों को बस या अन्य वैकल्पिक मार्ग का उपयोग करना पड़ा।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर महारानी लक्ष्मीबाई कन्या महाविद्यालय में विविध गतिविधियां आयोजित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय किला भवन, इंदौर में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर मनोविज्ञान विभाग एवं महाविद्यालयीन मानसिक स्वास्थ्य समिति के संयुक्त तत्वावधान में विभिन्न रचनात्मक, मनोरंजक एवं जागरूकतापरक गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना, तनाव प्रबंधन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करना तथा भावनात्मक कल्याण को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. बी. डी. श्रीवास्तव की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ। इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारी श्री वी.पी. बैरागी एवं आई.क्यू.एस. प्रभारी डॉ. मनीषा जोशी विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से छात्राओं को मानसिक स्वास्थ्य के महत्व को समझने तथा दैनिक जीवन में



सकारात्मक सोच, आत्म-अभिव्यक्ति और तनाव प्रबंधन के विभिन्न तरीकों से परिचित होने का अवसर मिला।

आयोजन के अंतर्गत टाइम मशीन गतिविधि, संगीत के साथ ध्यान (म्यूजिक मेंडिटेशन), जाँय विद डंस, मानसिक स्वास्थ्य विषयक मूवी क्लब तथा चित्रकला प्रतियोगिता एवं प्रदर्शनी आयोजित की गई। टाइम मशीन गतिविधि के माध्यम से छात्राओं ने अपने जीवन के अनुभवों एवं सुझाव स्मृतियों से जुड़कर आत्मचिंतन किया। म्यूजिक मेंडिटेशन

के माध्यम से मानसिक शांति और विश्राम का अनुभव कराया गया, जबकि जाँय विद डंस गतिविधि में छात्राओं ने संगीत एवं नृत्य के माध्यम से आनंद और सकारात्मक भावनाओं की अभिव्यक्ति की। वहीं, मूवी क्लब के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े विषयों के प्रति जागरूकता विकसित करने का

प्रयास किया गया। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता एवं प्रदर्शनी में छात्राओं ने आशा, सकारात्मक जीवन-दृष्टि, आत्महत्या की रोकथाम तथा सहयोगी समाज जैसे महत्वपूर्ण विषयों को रंगों और आकृतियों के माध्यम से अभिव्यक्त किया। प्रतियोगिता का निर्णयन डॉ. एस. के. छरी द्वारा किया गया। प्रतियोगिता में परी गरोलिया ने प्रथम, कुसुम सारेले ने द्वितीय तथा वैशाली राजपूत ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेता छात्राओं की

रचनात्मकता एवं संवेदनशील अभिव्यक्ति की सराहना की गई।

कार्यक्रम का समन्वय मनोविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. आशा ओझा तथा महाविद्यालयीन मानसिक स्वास्थ्य समिति के सदस्य डॉ. अमित कुमार सोनी एवं डॉ. शुभी परिहार द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन छात्रा निधि पुरोहित एवं प्रीति शर्मा ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि मानसिक स्वास्थ्य केवल मानसिक समस्याओं से मुक्त तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति के आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच, सामाजिक जुड़ाव, रचनात्मकता और समग्र कल्याण का भी महत्वपूर्ण आधार है। कला, संगीत, नृत्य एवं सामूहिक सहभागिता जैसी गतिविधियां मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा जीवन में सकारात्मकता को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

खरगोन पुलिस की तत्परता और मानवीय संवेदनशीलता से जम्मू में मिले युवक को मिला परिवार का साथ

लगभग 1600 किलोमीटर दूर जम्मू पहुँचकर पुलिस टीम ने 24 वर्षीय युवक को सकुशल परिजनों के सुपुर्द किया

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश पुलिस आमजन की सुरक्षा के साथ-साथ संकट की परिस्थितियों में लोगों की सहायता के लिए भी तत्परता से कार्य कर रही है। इसी क्रम में खरगोन पुलिस ने त्वरित कार्रवाई, तकनीकी साधनों और अंतरराज्यीय समन्वय के माध्यम से घर से लापता हुए 24 वर्षीय युवक को जम्मू से सकुशल वापस लाकर उसके परिजनों से मिलाया। 06 सितंबर को थाना कोतवाली खरगोन में सूचना प्राप्त हुई कि 24 वर्षीय युवक 01 सितंबर 2026 को घर से चला गया है और परिजनों द्वारा तलाश किए जाने के बावजूद उसका कोई पता नहीं चल पाया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना कोतवाली खरगोन में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

थाना प्रभारी कोतवाली श्री बनवारी लाल मंडलौर के निर्देशन में पुलिस टीम गठित कर

युवक की तलाश प्रारंभ की गई। पुलिस टीम ने खरगोन एवं आसपास के क्षेत्रों के सीसीटीवी फुटेज का अवलोकन किया, जिससे युवक के खंडवा की ओर जाने की जानकारी मिली। इसके बाद टीम ने खंडवा पहुँचकर सीसीटीवी फुटेज खंडा और स्थानीय लोगों से पूछताछ की। जांच के दौरान युवक के ट्रेन से मथुरा-वृंदावन की ओर जाने की संभावना के आधार पर भी उसकी तलाश के प्रयास किए गए।

युवक की तलाश के दौरान जम्मू के समाजसेवी श्री जितेंद्र सिंह से महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई। उन्होंने सैनिक कॉलोनी, जम्मू क्षेत्र में मिले युवक को मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए अपने घर पर सुरक्षित रखा तथा स्थानीय पुलिस थाने के माध्यम से खरगोन पुलिस को सूचना दी।

सूचना मिलते ही खरगोन पुलिस टीम ने

स्थानीय पुलिस से संपर्क स्थापित कर युवक की पहचान की पुष्टि की और उसे सकुशल वापस लाने की कार्यवाही प्रारंभ की।

युवक की मौजूदगी की पुष्टि होने पर थाना कोतवाली खरगोन की पुलिस टीम लगभग 1600 किलोमीटर की दूरी तय कर जम्मू पहुँची। आवश्यक वैधानिक कार्यवाही पूर्ण करने के बाद युवक को सकुशल खरगोन लाया गया और उसके परिजनों के सुपुर्द किया गया।

मध्यप्रदेश पुलिस आमजन की सुरक्षा, सहायता और सेवा के लिए प्रतिबद्ध है। खरगोन पुलिस की यह कार्रवाई दर्शाती है कि पुलिस की तत्परता, समर्पित प्रयास और नागरिकों का सहयोग मिलकर कठिन परिस्थितियों में भी परिवारों को राहत और अपनों से पुनर्मिलन की खुशी प्रदान कर सकते हैं।

शारदीय नवरात्रि पर मां भादवामाता मंदिर में विधि-विधान से कलेक्टर ने किया घट स्थापित

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर नीमच जिले के प्रसिद्ध धार्मिक आस्था केंद्र महामाया मां भादवामाता मंदिर में कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने विधि-विधान से घट स्थापना कर पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने मां भादवामाता से जिलेवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली एवं कल्याण की कामना की। नीमच विधायक श्री दिलीप सिंह परिहार एवं पुलिस अधीक्षक श्री राजेश व्यास भी उपस्थित रहे। सभी ने मां के दर्शन कर महाआरती में सहभागिता की।

इस अवसर पर मंदिर के शिखर पर ध्वजा भी चढ़ाई गई। वैदिक विधि-विधान एवं धार्मिक परंपराओं के अनुसार संपन्न हुए पूजा-अर्चना के कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव से भाग लिया।



कार्यों तथा दर्शन व्यवस्था का अवलोकन किया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर श्री चंद्रा ने निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं को सुगमता से मां के दर्शन हो सकें, इसके लिए प्रवेश एवं निर्गम की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मेले में पेयजल, प्रकाश, स्वच्छता, रियायती दर पर भोजन तथा वाहनों की व्यवस्थित पार्किंग की पर्याप्त व्यवस्था की जाए। दिव्यांग एवं बुजुर्ग श्रद्धालुओं की सुविधा का विशेष ध्यान रखते हुए ऐसी व्यवस्थाएं की जाएं, जिससे उन्हें दर्शन के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न हो।

पुलिस अधीक्षक श्री राजेश व्यास ने मेले के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने, भीड़ प्रबंधन को प्रभावी बनाने तथा मंदिर तक आने वाले मार्गों पर सुगम यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मालवा की वैष्णो देवी के नाम से प्रसिद्ध है मां भादवामाता मंदिर- उल्लेखनीय है कि महामाया मां भादवामाता मंदिर नीमच जिला मुख्यालय से लगभग 18 किलोमीटर दूर ग्राम भादवामाता में स्थित है। यह धार्मिक स्थल मालवा की वैष्णो देवी के नाम से प्रसिद्ध है। शारदीय नवरात्रि के दौरान यहां भव्य मेले का आयोजन होता है, जिसमें मध्यप्रदेश सहित विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु मां के दर्शन एवं पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं।

इस अवसर पर एसडीएम नीमच श्री पराग जैन,सीएसपी सुश्री किरण चौहान, मंदिर प्रबंधन समिति के सदस्य एवं अन्य जन उपस्थित थे।

मां नागणेच्या माता की कृपा से भव्य मंदिर निर्माण का सपना होगा साकार : योगी लालनाथ जी

नवरात्रि पर्व पर 51 फीट ऊंचे ध्वज स्तंभ का आरोहण, श्रद्धालुओं में उत्साह



नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अठाना शारदीय नवरात्रि पर्व के पावन अवसर पर आसन दरियानाथ सिद्धपीठ के महंत योगी लालनाथ जी महाराज तथा कलत्रजी वैदिक विश्वविद्यालय के कुलाधिपति कैलाश जी मूंढड़ सहित अनेक विशिष्टजन उपस्थित रहे। क्षत्रिय राजपूत राठौड़ समाज के

श्रद्धा व्यक्त की। कार्यक्रम में आसन दरियानाथ सिद्धपीठ के महंत योगी लालनाथ जी महाराज तथा कलत्रजी वैदिक विश्वविद्यालय के कुलाधिपति कैलाश जी मूंढड़ सहित अनेक विशिष्टजन उपस्थित रहे। क्षत्रिय राजपूत राठौड़ समाज के गणमान्यजन, पूर्व प्रधान, जनप्रतिनिधि, समाजसेवी एवं विभिन्न क्षेत्रों से आए श्रद्धालुओं ने भी सहभागिता की।

महंत योगी लालनाथ जी महाराज ने कहा कि प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण आरवली की पहाड़ियों के बीच मां नागणेच्या माता का भव्य मंदिर बनना क्षेत्र के लिए सौभाग्य की बात है। मां की कृपा से यह पवित्र स्थल आने वाले समय में श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र बनेगा।

प्रधानमंत्री आवास योजना से साकार हुआ काजल आदिवासी का पक्के मकान का सपना



ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कच्चे मकान में अपना जीवन यापन करने वाले काजल आदिवासी हमेशा सोचते थे कि उनका भी कभी पक्का मकान हो और वह भी साफ-सुथरे और सुरक्षित मकान में अपना जीवन यापन कर सके। आर्थिक मजबूरी के कारण पक्के मकान का सपना सपने जैसा ही लगता था। लेकिन प्रधानमंत्री आवास योजना ने काजल के सपने को साकार कर दिखाया है। जिले की जनपद पंचायत डबरा के ग्राम धर्ब निवासी काजल आदिवासी अब प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से अपने पक्के मकान में रह रहे हैं। परिवार के साथ सुरक्षित जीवन यापन करने का अवसर उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना ने प्रदान किया है। काजल आदिवासी का कहना है कि कच्चे मकान में रहने से उसे और उसके परिवार को अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ता था। सर्दी, गर्मी और बरसात में कच्चे मकान में अनेक समस्यायें प्रतिदिन सामने आती थीं। प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से जबसे पक्का मकान मिला है तब से समस्यायें जैसे समाप्त ही हो गई हैं। अब मैं और मेरा परिवार साफ-सुथरे हवादार मकान में सुरक्षित जीवन यापन कर रहा है। काजल आदिवासी बताते हैं कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना जरूरतमंदों के लिये जब से लागू की गई है तब से मेरे जैसे हजारों परिवारों को पक्का मकान मिला है। आवास के साथ-साथ जनपद पंचायत के माध्यम से उसे अन्य योजनाओं का लाभ भी उपलब्ध कराया गया है। शासन की योजनाओं के माध्यम से काजल आदिवासी का जीवन खुशहाली के साथ व्यतीत हो रहा है।

48 वर्षों से जारी परंपरा : जिला गरबा मंडल के तत्वावधान में सांखला परिवार द्वारा मां अम्बे की 101 तस्वीरें वितरित



मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला गरबा मंडल के तत्वावधान में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी धर्मप्रेमी सावनभाई सांखला परिवार के सौजन्य से नवरात्रि पर्व के प्रथम दिवस रविवार को मां अम्बे की 101 लेमिनेशन वाली बड़ी तस्वीरें वितरित की गईं। जिला गरबा मंडल अध्यक्ष हिम्मत डंगी, संयोजक सावन सांखला, वरिष्ठ पत्रकार ब्रजेश जोशी, जिला धार्मिक उत्सव समिति प्रमुख वरदीचंद कुमावत, वसीठा धोबी समाज अध्यक्ष मनोज सांखला, पूर्व अध्यक्ष व कालका माता गरबा मंडल अध्यक्ष राजू अखेरिया, समाजसेवी धर्मेन्द्र सांखला, महेंद्र सांखला, राकेश बगोरिया ने भी अम्बे की तस्वीरें गरबा मंडलों के पदाधिकारियों व

सदस्यों को भेंट की। जिला गरबा मंडल अध्यक्ष हिम्मत डंगी ने कहा कि स्व. बद्रीभाई सांखला के द्वारा लगभग 48 वर्षों पूर्व शारदीय नवरात्रि में मां अम्बे की मूर्तियां व तस्वीर भेंट करने की परंपरा शुरू की गई थी। इस परंपरा को उनके पुत्र सावन सांखला व पौत्र धर्मेन्द्र सांखला के द्वारा विगत कई वर्षों से कायम रखते हुए गरबा मंडलों को निशुल्क तस्वीरें दी जा रही है। जिला गरबा मंडल नवरात्रि पर्व को भारतीय धर्म व संस्कृति के अनुसार हर्षोल्लास से मनाने के लिये गरबा मंडलों के साथ समन्वय की भूमिका का निर्वहन कर रहा है। धर्मप्रेमी सावन सांखला ने कहा कि पर्यावरण स्वस्था रहे, इसके लिये हमारे परिवार के द्वारा पूर्व में मूर्तियां वितरित की जाती थी, उसके स्थान पर तस्वीर वितरित करने की परंपरा कई वर्षों से निर्भाई जा रही है। कार्यक्रम में वसीठा धोबी समाज अध्यक्ष वरदीचंद कुमावत ने भी अपने विचार रखे तथा नवरात्रि पर्व को हर्षोल्लास से मनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर करणसिंह परिहार, मुक्तिकत डंगी, शंभूसैन राठौर, पत्रकार संजय भाटी, अजय मावर सहित कई गणमान्य नागरिकगण भी उपस्थित थे। संचालन मनोज सांखला ने किया।

युवा कांग्रेस नेता सोमिल नाहटा ने उठाई किसानों के हक में आवाज, बिजली कटौती का अत्याचार बर्दाश्त नहीं होगा

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्रामीण क्षेत्रों में अघोषित एवं अनियमित बिजली कटौती से परेशान किसानों की आवाज उठाते हुए कांग्रेस के प्रदेश महासचिव सोमिल नाहटा ने विद्युत विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि आज किसान पहले ही महंगाई, खेती की बढ़ती लागत और प्राकृतिक परिस्थितियों की चुनौतियों से जुझ रहा है। ऐसे में बिजली विभाग की मनमानी कटौती किसानों की परेशानी को और बढ़ा रही है। किसानों के साथ इस तरह की लापरवाही और अन्याय अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

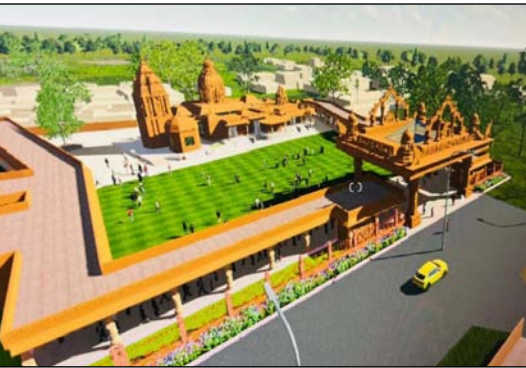


फसलों की खेती में भी किसानों को भारी लागत उठानी पड़ती है। किसान दिन-रात मेहनत करके अपनी फसल को तैयार करता है, लेकिन जब सिंचाई और अन्य कृषि कार्यों के लिए बिजली की जरूरत होती है, तब बिना किसी पूर्व सूचना के बिजली बंद कर दी जाती है। आखिर किसान अपनी खेती की योजना कैसे बनाए? उसे कैसे पता चले कि बिजली कब बंद होगी और कब आएगी? उन्होंने कहा कि किसान की परेशानी का अंदाजा वातानुकूलित कमरों में बैठकर आदेश देने वाले अधिकारी नहीं लगा सकते। खेत में खड़ा किसान बिजली का इंतजार करता रहता है। लोगों में मुक्तकलित होती है, कभी कृषि कार्यों की योजना बिगड़ जाती है और कभी रात के समय बिजली आने-जाने की

माननीय मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप भादवामाता मंदिर विकास को मिली नई गति, 5 करोड़ रुपये के विकास कार्य स्वीकृत

कलेक्टर के मार्गदर्शन में चरणबद्ध एवं सुनियोजित रूप से किए जा रहे निर्माण एवं उन्नयन कार्य

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नवरात्रि के पावन पर्व पर जिले के प्रमुख आस्था के केंद्र श्री भादवामाता मंदिर में दर्शन के लिए पहुंच रहे श्रद्धालुओं की सुविधा और मंदिर परिसर के समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए विकास कार्यों को गति दी जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन द्वारा चरणबद्ध एवं सुनियोजित रूप से विभिन्न निर्माण एवं उन्नयन कार्य किए जा रहे हैं। परिसर में श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए अधोसंरचना विकास के कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है। स्वीकृत एवं प्रस्तावित विकास कार्य- हाल ही में भादवामाता मंदिर विकास के लिए आयुक्त उज्जैन संभाग द्वारा लगभग 5 करोड़ रुपये के विभिन्न संभाव्य को प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इनमें दुकानों का आधुनिकीकरण, सावन रोड पर वाहन पार्किंग, लैंडस्केपिंग, सीसीटीवी एवं



स्क्रीन सहित अन्य कार्य शामिल हैं। स्वीकृत कार्य शीघ्र प्रारंभ किए जाएंगे। शिखर एवं गर्भगृह निर्माण, लोक परिसर एवं अन्य विकास कार्यों के प्राकलन तैयार कर स्वीकृति हेतु प्रेषित किए गए हैं। वर्तमान में 13.90 करोड़ रुपये की लागत के निर्माण कार्य प्रचलित हैं, जिनमें— मुख्य मंदिर के सामने हॉल निर्माण। मंदिर के प्रवेश द्वार एवं बाईं ओर पाथवे

निर्माण। विश्रांति भवन-1 एवं कॉरिडोर निर्माण कार्य। 4 करोड़ रुपये से अधिक लागत के निर्माण एवं विकास कार्य पूर्ण- इनमें नवीन प्रसादालय, सत्संग भवन, श्रद्धा भवन एवं नवीन प्रसादालय पर 85 किलोवाट रूफटॉप सोलर पैनल का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। साथ ही बस स्टैंड से पिपलियारावजी रोड तक सीसी रोड एवं दोनों ओर नाली निर्माण का कार्य भी पूर्ण किया जा चुका है। भादवामाता मंदिर परिसर के विकास की कार्ययोजना मंदिर की धार्मिक गरिमा के अनुरूप आधुनिक एवं आवश्यक सुविधाओं के विकास पर केंद्रित है। निर्माणधीन कार्यों के साथ प्रस्तावित शिखर एवं गर्भगृह निर्माण, लोक परिसर एवं अन्य कार्यों की स्वीकृति प्रक्रिया के अनुसार आगे बढ़ाया जा रहा है। इस प्रकार भादवामाता मंदिर परिसर के विकास कार्यों को योजनाबद्ध, चरणबद्ध एवं समग्र रूप से आगे बढ़ाया जा रहा है।

कृषि मंडी में हम्मालों ने चुना अपना प्रतिनिधि, मिश्रीलाल ग्वाला अध्यक्ष बने, खींचतान समाप्त

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कृषि उपज मंडी मंदसौर में दशपुर हम्माल यूनियन के चुनाव में अध्यक्ष पद पर मिश्रीलाल ग्वाला ने 8 वोट से चुनाव जीत लिया है, वहीं उपाध्यक्ष पद पर युसुफ खां ने बाजी मारी है। सचिव पद पर रोहित ग्वाला ने जीत का डंका बजाया तो सह सचिव पद पर आनन्द रियार ने जीत हासिल की। कोषाध्यक्ष पद पर सिकन्दर खां ने चुनाव जीता है। कुल 610 में से 580 ने मतदान किया था। कार्यकाल तीन वर्ष का रहेगा।

मंदसौर की कृषि उपज मंडी प्रदेश ही नहीं देश में ख्याति प्राप्त है। उपज मंडी में हम्माल यूनियन के चुनाव बीते वर्षों में अटकते रहे थे, इस कारण कभी-कभी खींचतान भी देखने को मिली। हम्मालों ने एकमत होकर चुनाव करने की मंशा बनाई, जिसके चलते नवरात्रि के पहले दिन 11 अक्टूबर को रविवार को चुनाव प्रक्रिया हुई। सुबह 10 बजे से दोपहर तीन बजे तक हम्माल यूनियन के सदस्यों ने मतदान के अधिकार का उपयोग कर अपने प्रतिनिधि पर मोहर लगाई। दशपुर मंडी हम्माल यूनियन में कुल 610 सदस्य दर्ज हैं, जिनमें से 580 सदस्यों ने वोटिंग की। मतपत्र के माध्यम से मतपेटी में प्रत्याशियों के भाव्य केंद्र हुआ। चुनाव को लेकर रविवार

को मंदसौर मंडी में दिनभर चहल-पहल रही। दोपहर 4 बजे बाद मतगणना की प्रक्रिया की गई। चुनाव में कुल पांच निर्वाचित पदों के लिए 13 उम्मीदवार मैदान में रहे हैं। सभी प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह भी आवंटित किए गए थे। इसके पूर्व चुनाव में भाग्य आमजाने हेतु प्रत्याशियों ने हम्माल यूनियन सदस्यों के बीच अपना प्रचार-प्रसार भी किया। देर रात जीते हुए उम्मीदवारों की घोषणा की गई। अध्यक्ष पद को लेकर मुख्य रूप से दो प्रत्याशी मैदान में थे, जिसमें दिलीप ग्वाला और मिश्रीलाल ग्वाला शामिल हैं। अध्यक्ष पद पर एक और प्रत्याशी ने भी भाग्य आमजाया। इसके अलावा उपाध्यक्ष और सचिव पद पर तीन प्रत्याशी और सह सचिव एवं कोषाध्यक्ष पद पर दो प्रत्याशी मैदान में रहे। चुनाव को लेकर मंडी में भारसाधक अधिकारी एसडीएम शुभम पाटीदार ने, मंडी सचिव लक्ष्मणसिंह ठाकुर भी नज़रे बनाए रखी। चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुए। मतगणना पूर्ण होने के बाद जीते हुए उम्मीदवारों ने विजयी जुलूस भी निकाला। सुरक्षा व्यवस्था हेतु उपधर्मन नगर थाना पुलिस का बल सहित अन्य बल तैनात रहा। चुनाव में निर्वाचन अधिकारी अजय सिखवाल ने प्रक्रिया कराई, बताया कि शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न हुए हैं।

अंतर्राज्यीय सायबर ठगी में 9वें आरोपी को यूपी के हरदोई से पकड़ा



मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। समाज सेवा की मिसाल कायम करते हुए समाजसेवी एवं पार्षद सुनील बंसल अपने सहयोगियों के साथ पितृपक्ष के अवसर पर 33 वर्षों से चली आ रही पवित्र परंपरा का निर्वहन करने हेतु 3 अक्टूबर को हरिद्वार खाना हुए थे। इस पावन यात्रा के दौरान वे निराश्रित और जरूरतमंद दिवंगतों के अस्थि कलश लेकर गंगा जी विसर्जन के लिए पहुंचे थे। इस बार

की यात्रा में 18 पुरुषों, 6 महिलाओं और 11 बंदरों के अस्थि कलश सम्मिलित थे, जिनका विसर्जन हरिद्वार में पूर्ण विधि-विधान और धार्मिक रीती-रिवाज के साथ तीर्थ पुरोहित प्रदीप झा द्वारा संपन्न कराया गया। इस पुनीत और परोपकारी कार्य में समाजसेवी सुनील बंसल के साथ भरत शिंदे, कन्हैयालाल शिव, शम्भूसैन राठौड़, बंशी राठौर, देवा योगी, गोपाल शिंदे, गिरधारी माली, लक्ष्मीनारायण राठौर, राहुल कुमावत, सज्जन खमेसरा, रामचंद्र भारती, गोपाल सेठिया और दिलीप सेठिया भी हरिद्वार पहुंचकर प्रमुख सहयोगी बने और निष्काम भाव से अपनी सेवाएं प्रदान कीं।

त्योहारों पर स्थानीय दुकानदारों से खरीदारी कर मंदसौर की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाएं-विनय दुबेला

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शारदीय नवरात्रि, दशहरा एवं दीपावली के पावन पर्वों के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के जिला उपाध्यक्ष विनय दुबेला ने मंदसौर के नागरिकों से स्थानीय दुकानदारों, छोटे व्यापारियों, फुटपाथ पर व्यवसाय करने वाले भाइयों-बहनों तथा स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहित करने की विनम्र अपील की है। उन्होंने कहा कि त्योहारों की वास्तविक खुशियाँ तभी सार्थक होंगी, जब समाज के प्रत्येक वर्ग को आर्थिक गतिविधियों में भागीदारी और अपनी आजीविका को मजबूत करने का अवसर मिलेगा। दुबेला ने कहा कि त्योहार केवल धार्मिक आस्था और उत्सव के अवसर नहीं हैं, बल्कि ये हमारे सामाजिक संबंधों, आपसी सहयोग, सद्भाव और आर्थिक समृद्धि को बढ़ाने का भी महत्वपूर्ण माध्यम हैं। इन दिनों प्रत्येक परिवार घरेलू उपयोग, पूजन, सजावट, मिठाई, कपड़े, इलेक्ट्रिकल सामग्री, उपहार तथा अन्य आवश्यक वस्तुओं की खरीदारी करता है। यदि हम अपनी आवश्यकता और सामर्थ्य के अनुसार स्थानीय दुकानों से खरीदारी को प्राथमिकता दें, तो



इसका लाभ हमारे अपने शहर के व्यापारियों और उनके परिवारों तक पहुंचेगा। दुबेला ने कहा कि दीपावली पर मिट्टी के दीपक, पूजन सामग्री, फूल-माला, रंगोली, सजावटी वस्तुएँ, बिजली की झालरें, घरेलू इलेक्ट्रिकल सामान, किराना, मिठाई, नमकीन, कपड़े और अन्य घरेलू उपयोग की सामग्री खरीदते समय स्थानीय बाजारों तथा छोटे

दुकानदारों को प्राथमिकता देने का प्रयास करना चाहिए। सड़क किनारे और टेल्लों पर सामग्री बेचने वाले छोटे व्यवसायियों के लिए त्योहार वर्ष के महत्वपूर्ण अवसर होते हैं। हमारी छोटी-सी खरीदारी भी उनके परिवार की खुशियों और आजीविका में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है। अंत में दुबेला ने मंदसौरवासियों से अपील की कि वे इस दीपावली अपने घरों को रोशन करने के साथ-साथ अपने शहर के छोटे दुकानदारों और स्थानीय व्यापारियों के जीवन में भी खुशियों का प्रकाश फैलाने का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि -मेरा मंदसौर, हमारा मंदसौर-हम सबकी जिम्मेदारी, हम सबकी समृद्धि- की भावना के साथ यदि प्रत्येक नागरिक स्थानीय व्यापार को प्रोत्साहित करने का छोटा-सा प्रयास करे, तो यह मंदसौर की आर्थिक मजबूती और सामाजिक एकता की दिशा में एक सकारात्मक कदम सिद्ध होगा।

सड़क पर शव रखकर प्रदर्शन किया। फेक्टरी प्रबंधन पर प्रताड़ना का आरोप

सड़क पर शव रखकर प्रदर्शन किया। फेक्टरी प्रबंधन पर प्रताड़ना का आरोप लगाया व कार्रवाई की बात कही। स्थिति को देखते हुए शामगाढ़ थाना प्रभारी उपनिरीक्षक कपिल सौराष्ट्रीय व पुलिस बल सुरक्षा में तैनात रहा। मामले में मृतक

ने खुदकुशी क्यों की है, इसके कारणों की भी पड़ताल की जा रही है। उभर, फैक्टरी प्रबंधन व मृतक के परिजनों के बीच मांगों के संदर्भ में आपसी चर्चा हो के बाद परिजनों का आक्रोश शांत हुआ व शव को अंतिम संस्कार हेतु ले जाया गया।

तय आरोप लगाए। बाद में नीम चौक पर शव को को रखकर प्रदर्शन किया व धरना दिया। लम्बे समय तक धरना प्रदर्शन के बीच मृतक के परिजनों व फेक्टरी प्रबंधन के बीच मांगों को लेकर सुलह हुई जिसके बाद परिजन शव लेकर खाना हुए और अंतिम

संस्कार किया। पुलिस के अनुसार शामगाढ़ नगर में रियायर्ड कॉलोनी निवासी ललित मीणा ने खुदकुशी की थी। इस घटना के बाद से ही समाजजनों एवं क्षेत्र के लोगों में निराश्रित और जरूरतमंद दिवंगतों के अस्थि कलश लेकर गंगा जी विसर्जन के लिए पहुंचे थे। इस बार

सम्पादकीय स्त्री देह पर अटकी सोच, विश्वगुरु बनने के सपने!

सोशल मीडिया ने हर व्यक्ति को अपनी बात कहने, विचार व्यक्त करने और दुनिया से जुड़ने का अवसर दिया है। यह ज्ञान, विज्ञान, साहित्य, कला और सामाजिक सरोकारों को व्यापक स्तर पर पहुँचाने का शक्ति माध्यम बन सकता है। लेकिन सवाल यह है कि हम इस माध्यम का इस्तेमाल किसलिए कर रहे हैं? वैज्ञानिक खोजों को समझने के लिए, साहित्य पढ़ने के लिए, देश-दुनिया की समस्याओं पर विचार करने के लिए या दूसरों की तस्वीरों में शरीर के अंग तलाशने और अश्लील टिप्पणियाँ करने के लिए? यह सवाल केवल सोशल मीडिया के इस्तेमाल का नहीं, बल्कि हमारी मानसिकता, रूचियाँ और सामाजिक प्रथाधिकताओं का भी है।

एक महिला को शिकायत है कि उसकी तस्वीरों पर बार-बार इस तरह की टिप्पणियाँ की जाती हैं कि वह हर फोटो में अपना पिछवाड़ा क्यों दिखाती है। ऐसे कमेंट्स सैकड़ों बार आ चुके हैं। यह स्थिति अपने आप में कई सवाल खड़े करती है। तस्वीर पर टिप्पणी करने वाले व्यक्ति की दृष्टि क्या है? वह किसी महिला की पूरी तस्वीर, उसके व्यक्तित्व, उसके काम या उसकी उपलब्धियों को देखने के बजाय शरीर के किसी एक हिस्से पर ही क्यों अटक जाता है? क्या सोशल मीडिया पर किसी महिला की मौजूदगी का अर्थ यही रह गया है कि उसके शरीर पर सार्वजनिक टिप्पणियाँ की जाएँ?

इस महिला का जवाब भी तोखा है। वह कहती है कि जब कुछ लोगों को इसी तरह की तस्वीरों में दिलचस्पी है, तो वह उन्हें वहीं दिखाती हैं, क्योंकि उनकी रुचि और समझ का स्तर इससे आगे बढ़ता दिखाई नहीं देता। उसके जवाब में व्यंग्य है, आक्रोश है और उन लोगों के प्रति उपेक्षा भी है, जो किसी महिला की तस्वीर को उसके व्यक्तित्व के बजाय उसके शरीर तक सीमित कर देते हैं। हालाँकि, इस पूरे प्रसंग का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष किसी महिला की तस्वीर या उसका जवाब नहीं, बल्कि वह मानसिकता है जो महिलाओं को लगातार वस्तु की तरह देखने और उनके शरीर पर अश्लील टिप्पणियाँ करने को सामान्य मान बैठे है।

यहाँ एक बुनियादी बात समझने की जरूरत है। किसी महिला को अपनी तस्वीर में क्या दिखावना है, यह उसका व्यक्तिगत निर्णय है। किसी को उसकी तस्वीर पसंद आ सकती है, किसी को नहीं भी आ सकती। लेकिन पसंद और नापसंद के नाम पर अश्लीलता परोसना, अपमानजनक टिप्पणियाँ करना या किसी के चरित्र पर हमला करना उचित नहीं हो जाता। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ यह नहीं कि दूसरे व्यक्ति की गरिमा को कुचलने का अधिकार मिल गया। किसी की तस्वीर पर असहमति जताने और उसे अपमानित करने के बीच स्पष्ट अंतर है।

इस प्रसंग का दूसरा पहलू और भी गंभीर है। जब रसायन विज्ञान के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार पाने वाले वैज्ञानिकों की उपलब्धियों पर पोस्ट साझा की जाती है, तो उस पर अपेक्षित प्रतिक्रिया नहीं मिलती। पोस्ट को सी लोग भी पसंद नहीं करते, पचास लोग भी अपने विचार व्यक्त नहीं करते। वहीं, शरीर के केंद्र में रखे वाली तस्वीरों पर लोगों की दिलचस्पी कहीं अधिक दिखाई देती है। यदि किसी सोशल मीडिया उपयोगकर्ता का अनुभव ऐसा है, तो इस पर विचार होना चाहिए कि हमारी सामूहिक रूचियाँ किस दिशा में जा रही हैं।

हालाँकि, किसी एक पोस्ट पर मिले लाइक और टिप्पणियों के आधार पर पूरे समाज की बौद्धिक क्षमता का पैसला नहीं किया जा सकता। सोशल मीडिया का एल्गोरिदम, पोस्ट का समय, प्रस्तुति, विषय और दर्शकों की रुचि भी उसकी पहुँच को प्रभावित करते हैं। फिर भी, यदि बार-बार यही अनुभव सामने आता है कि मनोरंजन और देह-केंद्रित सामग्री पर अधिक प्रतिक्रिया मिलती है, जबकि विज्ञान, शोध और गंभीर चिंतन पर उदासीनता दिखाई देती है, तो यह हमारी डिजिटल संस्कृति की समीक्षा करने का उचित अवसर है।

हम चाहते हैं कि भारत विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में दुनिया का नेतृत्व करे। हम चाहते हैं कि हमारे वैज्ञानिक नई खोजें करें, हमारे विश्वविद्यालय विश्वस्तरीय अनुसंधान केंद्र बनें और हमारी युवा पीढ़ी चिकित्सा, अंतरिक्ष, कृत्रिम बुद्धिमत्ता तथा रसायन विज्ञान में नए कीर्तिमान स्थापित करे। हम अमेरिका, चीन और इस्राइल जैसे देशों की तकनीकी उपलब्धियों से आगे निकलने की आकांक्षा रखते हैं। लेकिन क्या केवल नारों से ऐसा संभव है? क्या विश्वगुरु बनने का सपना देखते हुए हम वैज्ञानिकों के काम को जानने, शोध को समझने और ज्ञान को साझा करने की जिम्मेदारी से बच सकते हैं?

किसी देश की वैज्ञानिक प्रगति केवल प्रयोगशालाओं में नहीं होती। उसके लिए ऐसा सामाजिक वातावरण भी चाहिए, जहाँ जिज्ञासा का सम्मान हो, सवाल पूछने की आदत विकसित हो, शोध करने वालों को प्रोत्साहन मिले और ज्ञान को प्रतिष्ठा प्राप्त हो। जब युवा किसी वैज्ञानिक की उपलब्धि पर चर्चा करते हैं, किसी शोध के निष्कर्षों को समझते हैं और किसी नई तकनीक के सामाजिक प्रभाव पर विचार करते हैं, तभी वैज्ञानिक चेतना समाज का हिस्सा बनती है। यदि ज्ञान को उबाऊ और अश्लील मनोरंजन को सबसे आकर्षक मान लिया जाए, तो इस प्रवृत्ति पर गंभीर विमर्श आवश्यक है।

यह भी सच है कि मनोरंजन और विज्ञान एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं। सोशल मीडिया पर हास्य, सुंदरता, फैशन और मनोरंजन के लिए भी जगह होनी चाहिए। हर व्यक्ति से हर समय गंभीर लेख पढ़ने की अपेक्षा नहीं की जा सकती।

द्वितीय नवरात्रि स्वाधिष्थन चक्र के संतुलन का दिव्य अवसर



धधाना करपद्माभ्यमक्षमालाकमण्डलू। देवी प्रसीदतु मयि ब्रह्मचारिण्यनुत्तमा॥

नवरात्रि के दूसरे दिन मां दुर्गा के द्वितीय स्वरूप मां ब्रह्मचारिणी की आराधना का दिव्य है। मां का यह स्वरूप तप, त्याग, संयम, सदाचार और आध्यात्मिक साधना का प्रतीक है। उनके एक हाथ में जपमाला और दूसरे हाथ में कमंडलु सुशोभित होता है। मां ब्रह्मचारिणी की उपासना साधक को आत्मानुशासन, दृढ़ संकल्प और आध्यात्मिक उन्नति की प्रेरणा देती है।

स्वाधिष्ठन चक्र, ज्ञान, विवेक और सुजनात्मकता का केंद्र- सहजयोग की आध्यात्मिक शिक्षाओं के अनुसार, स्वाधिष्ठन चक्र का संबंध

सुजनात्मकता, कलात्मकता, ज्ञान, विवेक और विचारों की शुद्धता से है। परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी जी ने इस चक्र के महत्व को समझाते हुए बताया है कि ब्रह्मदेव की सुजात सशक्ति शक्ति मां सरस्वती के रूप में यहां अभिव्यक्त होती है। मां सरस्वती ज्ञान, विद्या, संगीत और कला की अधिष्ठात्री देवी हैं।

श्री माताजी की शिक्षाओं के अनुसार, सच्चा ज्ञान केवल पुस्तकीय विद्वता तक सीमित नहीं है। उसमें संगीत की मधुरता, सुजनात्मकता, विवेक और परमात्मा के प्रति श्रद्धा का समावेश भी आवश्यक है। मां सरस्वती की वीणा जीवन में सामंजस्य और मधुरता, माला परमात्मा के प्रति श्रद्धा तथा ज्ञान की पुस्तक सत्य की खोज का संदेश देती है।

संतुलित स्वाधिष्ठन चक्र मानसिक व भावनात्मक स्थिरता का आधार साधक के अन्तरंग, स्वाधिष्ठन चक्र के अस्तंतुलन का संबंध मानसिक एवं भावनात्मक अस्थिरता और अत्यधिक विचारों में उलझे रहने जैसी प्रवृत्तियों से जोड़ा जाता है। ध्यान और आत्मचिंतन के अन्वयस से व्यक्ति अपने भीतर शांति, सहजता और विवेक विकसित करने की दिशा में आगे बढ़ सकता है।

यह नवरात्रि अपने भीतर की दिव्य शक्ति को पहचानने और आत्मिक उन्नति की ओर बढ़ने का विशेष अवसर है। सहजयोग ध्यान एवं कुंडलिनी जागरण की आध्यात्मिक पद्धति आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करने तथा विचारों से परे ध्यान की अवस्था का अनुभव करने की दिशा में प्रेरित करती है।

आइए, इस द्वितीय नवरात्रि मां ब्रह्मचारिणी की आराधना के साथ ज्ञान, सुजनात्मकता, विवेक और आंतरिक शांति को अपने जीवन में अपनाएं।

प्रजातंत्र में विरोध सही पर समाधान के लिए रचनात्मक विकल्प जरूरी

डॉ.भीमराव आंबेडकर ने लोकतंत्र में संवैधानिक तरीकों को सामाजिक और राजनीतिक परिवर्तन का महत्वपूर्ण आधार माना। उनका प्रसिद्ध कथन है, संवैधानिक तरीकों को छोड़कर असंवैधानिक तरीकों का सहारा लेना अराजकता का व्याकरण है। लोकतंत्र में धरना, प्रदर्शन, शांतिपूर्ण आंदोलन, जनसभाएँ और जनमत निर्माण वैध माध्यम हैं। किंतु इन माध्यमों की सार्थकता तभी है, जब वे किसी स्पष्ट मांग, जनसमस्या अथवा नीतिगत असहमति से जुड़े हों। सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुँचाना, सामान्य नागरिकों का जीवन बाधित करना अथवा हिंसा का सहारा लेना किसी आंदोलन की नैतिक शक्ति को कमजोर करता है। विरोध का मूल्य उसके शोर से नहीं, उसकी न्यायसंगत मांग और समाज पर पड़ने वाले सकारात्मक प्रभाव से निर्धारित होना चाहिए।

महात्मा गांधी ने सत्य और अहिंसा को सार्वजनिक जीवन का आधार बनाया। उनके विचारों का मूल संदेश था कि साधन भी उतने ही पवित्र होने चाहिए जितना साध्य। इस दृष्टि से देखें तो विरोध का उद्देश्य भी न्यायपूर्ण होना चाहिए और उसके तरीके भी लोकतांत्रिक मर्यादाओं के अनुरूप होने चाहिए। किसी नीति में कमी है, किसी निर्णय से जनता प्रभावित हो रही है अथवा किसी वर्ग के साथ अन्याय हो रहा है, तो उसके विरुद्ध आवाज उठाना नागरिक का नैतिक दायित्व है। लेकिन यदि विरोध में तथ्य के स्थान पर अफवाह, तर्क के स्थान पर व्यक्तिगत आक्षेप और संवाद के स्थान पर केवल शोर रह जाए, तो वह जनहित की आवाज बनने के बजाय राजनीतिक प्रदर्शन बन जाता है।

लोकतंत्र में विरोध केवल एक अधिकार नहीं, बल्कि व्यवस्था को जवाबदेह बनाए रखने का महत्वपूर्ण माध्यम भी है। स्वस्थ लोकतंत्र की पहचान इस बात से नहीं होती कि वहाँ कितनी आवाजें सता के समर्थन में उठती हैं, बल्कि इससे होती है कि असहमति की आवाजों को कितनी गंभीरता से सुना जाता है। विरोध सत्ता को निरंकुश होने से रोकता है, समाज को जागरूक बनाता है और नीतियों की कमियों को सामने लाता है। लेकिन जब विरोध का उद्देश्य किसी समस्या का समाधान खोजने के बजाय केवल विरोध करना रह जाता है, तब यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि विरोधियों के पास वास्तव में कोई मुद्दा है भी या विरोध जताना ही उनका एकमात्र

नवरात्रि - जड़ और चेतन का मिलन, प्रकृति का संक्रांतिकाल

नवरात्रि केवल पूजा-पाठ का पर्व नहीं, यह प्रकृति से जुड़ाव का पर्व है। यह धरा का त्योहार है। जब हम नवरात्रि मनाते हैं, तो वास्तव में हम अपने अंतर्मन को प्रकृति से जोड़ते हैं। हमारे ऋषियों ने यह को दो भागों में नहीं, बल्कि मौसम के संधि-काल के रूप में देखा। एक मौसम जब दूसरे मौसम में प्रवेश करता है, तो प्रकृति में एक बड़ा बदलाव आता है। उस बदलाव को हमारे शरीर और मन को सहजता से स्वीकार करने के लिए ही नवरात्रि आती है। इसी कारण इसे संक्रांतिकाल कहा गया है। चाहे चैत्र की बासंती नवरात्रि हो जो सर्दी से गर्मी की ओर ले जाती है, या अश्विन की शारदीय नवरात्रि जो गर्मी से शीत की ओर ले जाती है - दोनों ही प्रकृति के द्वार हैं। इसी संधि-काल में हमारे शरीर को सबसे अधिक सचेत रहने की आवश्यकता होती है। मौसम बदलने पर सर्दी-जुकाम, बुखार और अन्य रोगों का प्रकोप बढ़ता है। हमारे पूर्वजों ने इसका समाधान उपवास, व्रत और संयम में खोजा। नौ दिन का यह व्रत केवल भूखा रहना नहीं है, यह एक वैज्ञानिक प्रक्रिया है। जब हम हल्का, सात्विक और फलाहार करते हैं, संयमित जीवन जीते हैं, तो हमारा शरीर खुद को डिटॉक्स करता है। वह एक पखवाड़े से, एक मौसम से दूसरे मौसम में जाने के लिए तैयार हो जाता है। इसलिए नवरात्रि का व्रत हमारे मन, मस्तिष्क और शरीर को स्वस्थ रखने का साधन है। दार्शनिक दृष्टि से देखें तो नवरात्रि जड़ का चेतन से और चेतन का जड़ से मिलन है। हमारा शरीर जड़ है - मिट्टी, जल, अग्नि, वायु से बना हुआ। और हमारी आत्मा चेतन है। अक्सर हम इन दोनों को अलग-अलग कर देते हैं। शरीर को भोग में लगा देते हैं और आत्मा को भूल जाते हैं। नवरात्रि इन दोनों को फिर से जोड़ती है। उपवास से शरीर शुद्ध होता है और उपासना से चेतना जागृत होती है। और सबसे गहरी बात - नवरात्रि शिव का शक्ति से मिलन है। शिव शाश्वत चेतन हैं, अचल, स्थिर। और शक्ति प्रकृति है - चलायमान, सुजन करने वाली, परिवर्तनशील। बिना शक्ति के शिव शव हैं। और बिना शिव के शक्ति दिशाहीन है। इस सृष्टि का सारा खेल ही शिव और शक्ति का है। हम जो वृक्ष देखते हैं, नदी देखते हैं, अन्न देखते हैं, वह सब शक्ति अर्थात् प्रकृति है। इसीलिए नवरात्रि में हम नौ रूपों में प्रकृति की ही आराधना करते हैं। हम कन्या पूजन करते हैं, क्योंकि नारी में ही सुजन की शक्ति है। हम जो बोते हैं, क्योंकि धरती में ही अकुरुण की शक्ति है। आज जब हम प्रकृति से दूर हो गए हैं, ऐसी कमरों में रहते हैं, मौसम का अहसास ही भूल गए हैं, तब नवरात्रि हमें फिर से याद दिलाती है कि हम इसी धरा के सन्तान हैं।

डॉ दीपा शर्मा उजाला

मुद्दा बन गया है?

राजनीति में पक्ष और विपक्ष लोकतंत्र के दो आवश्यक स्तंभ हैं। सत्ता पक्ष का दायित्व है कि वह जनहित में नीतियाँ बनाए, अपने निर्णयों की जवाबदेही स्वीकार करे और जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरे। वहीं विपक्ष की भूमिका है कि वह सरकार के कामकाज की समीक्षा करे, उसकी गलतियों को उजागर करे और जनता के हितों की रक्षा के लिए वैकल्पिक दृष्टिकोण प्रस्तुत करे। विपक्ष यदि अपनी भूमिका ईमानदारी से निभाता है, तो वह लोकतंत्र को मजबूत करता है। लेकिन यदि वह प्रत्येक निर्णय का विरोध केवल इसलिए करने लगे कि निर्णय सत्ता पक्ष ने लिया है, तो उसकी आलोचना की विश्वसनीयता धीरे-धीरे समाप्त होने लगती है। इसी प्रकार सत्ता पक्ष यदि हर आलोचना को राजनीतिक शत्रुता मानकर खारिज कर दे, तो वह भी लोकतांत्रिक मूल्यों से दूर चला जाता है। इसलिए समस्या विरोध में नहीं, बल्कि विरोध की मंशा और उसके आधार में है।

प्रश्न यह भी है कि क्या हर विरोध को नकारात्मक दृष्टि से देखना उचित है? बिल्कुल नहीं। इतिहास गवाह है कि अनेक बड़े सामाजिक परिवर्तन विरोध और असहमति से ही संभव हुए हैं। स्वतंत्रता आंदोलन ने औपनिवेशिक शासन का विरोध किया, सामाजिक सुधारकों ने जातिगत भेदभाव और छुआछूत के विरुद्ध आवाज उठाई तथा अनेक जनांदोलनों ने शोषण और अन्याय को चुनौती दी। राजा राममोहन राय ने सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध संघर्ष किया। ज्योतिबा फुले और सावित्रीबाई फुले ने शिक्षा तथा सामाजिक समानता के लिए प्रतिरोध का मार्ग चुना। इनका विरोध किसी व्यक्ति से निजी शत्रुता का परिणाम नहीं था, बल्कि अन्यायपूर्ण सामाजिक व्यवस्था को बदलने का प्रयास था। इसलिए विरोध का मूल्यकान इस आधार पर होना चाहिए कि वह किसके विरुद्ध है, क्यों है और उससे समाज को क्या प्राप्त होने वाला है। आज राजनीतिक और सामाजिक विमर्श का एक बड़ा संकट यह है कि कई बार मुद्दों की जगह छवि, तर्क की जगह आरोप और समाधान की जगह आरोप-प्रत्यारोप ले लेते हैं। सरकार कोई निर्णय लेती है तो विरोधी पक्ष बिना उसके लाभ-हानि का निष्पक्ष आकलन किए विरोध करने लगता है। दूसरी ओर, कभी सत्ता पक्ष भी आलोचना करने वालों को विकास विरोधी, राष्ट्र विरोधी अथवा अपनी राजनीतिक विचारधारा का शत्रु

मृत्यु की मुस्कान से मोक्ष की ओर - श्रीमती कान्तादेवी बोधरा की सागरी संथारा

जैन धर्म की आध्यात्मिक परंपरा त्याग, तपस्या, संयम, आत्मत्यागण और वैराग्य की ऐसी गौरवशाली परंपरा है, जिसमें जीवन की सार्थकता केवल जीने में नहीं, बल्कि जीवन के अंतिम क्षणों को भी सजगता, समता और आत्मशुद्धि से परिपूर्ण बनाने में निहित है। इस परंपरा में संथारा अथवा संलेखना एक ऐसी विशिष्ट आध्यात्मिक साधना है, जो मनुष्य को देह की सीमाओं से ऊपर उठकर आत्मस्वरूप के चिंतन की प्रेरणा देती है। जैन धर्म में अनेक आचार्यों, मुनियों और साध्वियों ने अपनी तपस्या, त्याग और समाधिभरण से इस परंपरा को समृद्ध किया है। वहीं श्रावक-श्राविकाओं ने भी अपने संयमित जीवन और साधनामय अंतिम यात्रा से यह सिद्ध किया है कि आध्यात्मिक उत्कर्ष केवल मुनि-जीवन तक सीमित नहीं, बल्कि श्रद्धा, विवेक और आत्मानुशासन से गृहस्थ जीवन में भी संभव है।

इसी पवित्र परंपरा की एक भावपूर्ण कड़ी है दिल्ली और नोएडा के प्रतिष्ठित बोधरा परिवार की मातृशक्ति श्रीमती कान्तादेवी बोधरा, धर्मपत्नी स्वर्गीय श्री पुनमचंदजी बोधरा, जिन्होंने 5 अक्टूबर को प्रातः 8 बजकर 28 मिनट पर सागरी संथारा के माध्यम से समाधिभरण प्राप्त किया। उनका यह महाप्रायाण परिवार के लिए अपूरणीय वियोग का प्रसंग है, किंतु आध्यात्मिक दृष्टि से उनके धर्ममय जीवन, श्रद्धा और साधना का स्मरण करने का अवसर भी है। उनका जीवन हमें यह समझने की प्रेरणा देता है कि मनुष्य की वास्तविक महानता उसके सांसारिक वैभव में नहीं, बल्कि उसकी आंतरिक निर्मलता, धार्मिक निष्ठा, संयम और आत्मकल्याण की भावना में निहित होती है।

जैन दर्शन में संथारा को सामान्य मृत्यु की घटना के रूप में नहीं, बल्कि विशिष्ट आध्यात्मिक भावभूमि में समझा जाता है। संलेखना का मूल भाव है—कषायों को क्षीण करना, राग-द्वेष को कम करना, मोह-ममता के बंधनों को शिथिल करना और जीवन के अंतिम चरण में समता एवं सजगता का विकास करना। यह साधना बाहरी त्याग से अधिक आंतरिक रूपांतरण की प्रक्रिया है। इसमें शरीर के प्रति अनावश्यक आसक्ति से ऊपर उठते हुए आत्मा के स्वरूप, कर्मबंधनों और जीवन की अनित्यता का चिंतन महत्वपूर्ण होता है।

सागरी संथारा इसी व्यापक साधना-परंपरा से जुड़ा एक विशिष्ट प्रसंग है। इसकी आध्यात्मिक गरिमा को समझने के लिए उसके पीछे निहित विवेक, वैराग्य, आत्मस्वीकृति और धार्मिक मार्गदर्शन के महत्त्व को समझना आवश्यक है। यह किसी क्षणिक आवेग, निराशा अथवा जीवन से पलायन की भावना का नाम नहीं, बल्कि जैन परंपरा में वर्णित आत्मसंयम और समाधि की भावना से जुड़ा विषय है। इसकी सार्थकता बाहरी प्रदर्शन में नहीं, बल्कि साधक की आंतरिक सजगता, समता और कषायमुक्ति के प्रयास में देखी जाती है।

जैन दर्शन हमें सिखाता है कि जीवन और मृत्यु दोनों अनित्य हैं। शरीर परिवर्तनशील है, जबकि आत्मा को जैन दर्शन में स्वतंत्र, चेतन और शाश्वत तत्त्व माना गया है। इस दृष्टि से मृत्यु का चिंतन भय उत्पन्न करने के लिए नहीं, बल्कि जीवन को अधिक विवेकपूर्ण, करुणामय और संयमित बनाने के लिए है। संथारा की आध्यात्मिक अवधारणा भी इसी आत्मचिंतन की

बताकर उनकी आवाज दबाने का प्रयास करता है। दोनों ही प्रवृत्तियाँ लोकतंत्र के लिए नुकसानदेह हैं। किसी देशभक्ति अथवा देशविरोध का प्रमाण नहीं है। असली कसौटी यह है कि निर्णय जनता, समाधान, न्याय और राष्ट्र के दीर्घकालीन हितों के अनुकूल है या नहीं।

डॉ. राममनोहर लोहिया ने लोकतंत्र में विपक्ष और असहमति के महत्व पर विशेष बल दिया। उनके राजनीतिक चिंतन में सत्ता से सवाल पूछना और जनता के पक्ष में खड़े होना महत्वपूर्ण था। इस दृष्टि से विपक्ष का दायित्व केवल सरकार की आलोचना करना नहीं, बल्कि यह बताना भी है कि वह जिस नीति का विरोध कर रहा है, उसके स्थान पर कौन-सा बेहतर विकल्प प्रस्तुत करता है। यदि किसी आर्थिक नीति से गरीब प्रभावित हो रहे हैं, तो विरोध करने वाले पक्ष को उनके हितों की रक्षा के लिए व्यावहारिक सुझाव देने चाहिए। यदि किसी कानून में त्रुटियाँ हैं, तो उसकी कमियों के साथ सुधार के रास्ते भी सामने आने चाहिए। केवल विरोध दर्ज करा देना राजनीतिक कर्तव्य की संपूर्णता नहीं है।

अल्बर्ट आइंस्टीन से प्रचलित एक विचार है कि किसी समस्या को उसी सोच के सहारे हल नहीं किया जा सकता, जिसने उसे पैदा किया है। यद्यपि इस कथन के शब्दों और संदर्भ को लेकर विभिन्न रूप मिलते हैं, लेकिन इसका व्यापक संदेश उपयोगी है—समस्याओं के समाधान के लिए नई दृष्टि, विवेक और रचनात्मकता आवश्यक है। यही बात राजनीतिक विरोध पर भी लागू होती है। यदि किसी पक्ष के पास हर प्रश्न का उत्तर केवल विरोध है, तो वह समस्या का समाधान नहीं, बल्कि समस्या को बनाए रखने की राजनीति कर रहा है। एक जिम्मेदार विपक्ष को सरकार की कमियों पर प्रकाश डालने के साथ-साथ जनता को यह विश्वास भी दिलाना चाहिए कि उसके पास बेहतर नीतियाँ और अधिक प्रभावी विकल्प हैं।

लोकतंत्र में जनता केवल दर्शक नहीं, बल्कि अंतिम निर्णायक होती है। वह देखती है कि कौन उसकी समस्याओं को समझ रहा है, कौन केवल भाषण दे रहा है और कौन राजनीतिक लाभ के लिए जनभावनाओं का उपयोग कर रहा है। बेरोजगारी, महँगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, किसानों की समस्याएँ, पर्यावरण और सामाजिक सद्भाव जैसे विषय किसी भी राजनीतिक दल के लिए गंभीर विमर्श के विषय होने चाहिए। यदि इन प्रश्नों को पीछे

छोड़कर पूरा राजनीतिक समय आरोप-प्रत्यारोप में व्यतीत होता है, तो नुकसान किसी एक दल का नहीं, पूरे समाज का होता है।

यह भी समझना आवश्यक है कि असहमति राष्ट्र की कमजोरी नहीं, उसकी बौद्धिक जीवंतता का प्रमाण हो सकती है। रवींद्रनाथ ठाकुर की स्वतंत्र चिंतन की भावना हमें भय और संकीर्णता से ऊपर उठने की प्रेरणा देती है। लेकिन स्वतंत्र चिंतन का अर्थ यह भी है कि हम अपने प्रिय विचारों की समीक्षा करने का साहस रखें। यदि हम अपने पक्ष की हर बात को सही और दूसरे पक्ष की हर बात को गलत मान लेते हैं, तो हम विचार नहीं, पूर्वाग्रह के आधार पर निर्णय लेने लगते हैं। लोकतांत्रिक नागरिक का दायित्व है कि वह किसी निर्णय का मूल्यांकन उसके तथ्य, तर्क और परिणामों के आधार पर करे, न कि केवल उसे प्रस्तुत करने वाले व्यक्ति या दल के आधार पर।

आज आवश्यकता इस बात की है कि विरोध की संस्कृति को विरोध के विवेक से जोड़ा जाए। सत्ता पक्ष अपनी उपलब्धियों के साथ कमियों को स्वीकार करने का साहस दिखाए और विपक्ष अपनी आलोचना के साथ समाधान प्रस्तुत करने की जिम्मेदारी निभाए। मीडिया और नागरिक समाज भी किसी आरोप को अंतिम सत्य मानने के बजाय तथ्यों की जाँच करें। जनता को भी यह प्रश्न पूछना चाहिए कि विरोध किस मुद्दे पर हो रहा है, उसके पीछे प्रमाण क्या हैं और उसका समाधान क्या प्रस्तावित है। अंततः विरोध का उद्देश्य किसी को पराजित करना मात्र नहीं, बल्कि गलत को सुधारना और सही को मजबूत करना होना चाहिए। यदि विरोध अन्याय के विरुद्ध है, तो वह लोकतंत्र की शक्ति है; यदि वह जनहित की रक्षा के लिए है, तो वह नागरिक चेतना का प्रमाण है; लेकिन यदि वह केवल राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता निभाने, सुर्खियाँ बटोरने अथवा प्रत्येक निर्णय को नकारने के लिए है, तो वह लोकतांत्रिक ऊर्जा का अभाव्य है। हमें विरोध करने वाले से केवल यह नहीं पूछना चाहिए कि वह किसका विरोध कर रहा है, बल्कि यह भी पूछना चाहिए कि विरोध का मुद्दा क्या है, उसके प्रमाण क्या हैं और समाधान क्या है? क्योंकि लोकतंत्र को केवल विरोध की आवाजें नहीं, विवेकपूर्ण असहमति, तथ्यपूर्ण आलोचना और रचनात्मक विकल्प आगे बढ़ाते हैं। विरोध की सार्थकता इसी में है कि वह समाज को उद्वहारा से निकालकर सुधार की दिशा में ले जाए।

—संजीव ठाकुर

महत्वपूर्ण दायित्व निभा रहे हैं। इसी प्रकार शासनमाता साध्वीप्रमुखा कनकप्रभाजी की स्मृति में महोदयी में निर्मित वात्सल्य पीठ के निर्माण में श्री लक्ष्मीपतजी बोधरा की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इन कार्यों में उनकी सहभागिता केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि उस धार्मिक विरासत का विस्तार है, जिसमें सेवा को साधना और समर्पण को धर्म का व्यावहारिक स्वरूप माना जाता है।

माताजी के समाधिभरण के पश्चात इन दायित्वों का महत्त्व और बढ़ जाता है। यह समय परिवार के लिए अपनी भावनाओं को धर्ममय संकल्प में बदलने का है। गुरुसेवा, संघसेवा और समाजसेवा के माध्यम से माताजी द्वारा पोषित संस्कारों को आगे बढ़ाना उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि का एक महत्वपूर्ण रूप हो सकता है। जब किसी मां की संतानों का जीवन सेवा और सदाचार की दिशा में आगे बढ़ता है, तब उसके संस्कार परिवार की सीमाओं से निकलकर व्यापक समाज की धरोहर बन जाते हैं। मृत्यु जीवन का ऐसा सत्य है, जिसे मनुष्य जानते हुए भी प्रायः स्वीकार नहीं करना चाहता। वह संसार के निर्माण में जीवन लगा देता है, लेकिन जीवन की अनिवार्य परिणति के विषय में विचार करने से बचता है। जैन दर्शन इस प्रवृत्ति के स्थान पर जागरूकता, अनित्यता-बोध और आत्मचिंतन का मार्ग प्रस्तुत करता है। मृत्यु का स्मरण जीवन के प्रति उदासीन होने के लिए नहीं, बल्कि प्रत्येक क्षण का सदुपयोग करने के लिए है।

जैन आचार-विचार में राग और द्वेष को आत्मिक अशांति के प्रमुख कारणों में माना गया है। मनुष्य जितना अधिक मोह, अहंकार, लोभ और प्रतिशोध में उलझता है, उतना ही अपने भीतर की शांति से दूर होता जाता है। इसके विपरीत, क्षमा, विनम्रता, अपरिग्रह और समता उसे आंतरिक स्वतंत्रता की ओर ले जाते हैं। यही वे मूल्य हैं, जिनकी प्रासंगिकता किसी एक धार्मिक समुदाय तक सीमित नहीं है।

श्रीमती कान्तादेवी बोधरा की स्मृति में हमें यही संकल्प ग्रहण करना चाहिए कि हम जीवन रहते अपने संबंधों को मधुर बनाएं, मन में संचित कटुता को दूर करें, अपने व्यवहार में करुणा लाएं और अपने दायित्वों को ईमानदारी से निभाएं। यदि मृत्यु का बोध हमें जीवन के प्रति अधिक संवेदनशील बनाता है, तो वह बोध सार्थक है। यदि धर्म हमें दूसरों के दुःख को समझना और उनके प्रति सहानुभूति रखना सिखाता है, तो वही धर्म जीवन में जीवंत होता है। संथारा और समाधिभरण की चर्चा करते समय यह भी आवश्यक है कि हम इस विषय की आध्यात्मिक गंभीरता और व्यक्तिगत संवेदनशीलता को समझें। ऐसी साधना का मूल्यांकन श्रद्धा के साथ-साथ समुचित धार्मिक मार्गदर्शन, व्यक्ति की सजगता और उसकी परिस्थितियों के संदर्भ में होना चाहिए। इसे आम लोगों के लिए मृत्यु का अनुकरणीय विकल्प मानने के बजाय आत्मसंयम, वैराग्य, क्षमा और समता जैसे जीवनमूल्यों की प्रेरणा के रूप में ग्रहण करना अधिक सार्थक है। आध्यात्मिकता का उद्देश्य जीवन के प्रति जिम्मेदारी से विमुख होना नहीं, बल्कि जीवन को अधिक जागरूक और मूल्यवान बना. श्रीमती कान्तादेवी बोधरा का समाधिभरण उनके परिवार और परिचितों के लिए गहन भावनात्मक क्षण है।

—ललित गर्ग

मस्क के दबाव में आने से बचे भारत

वज्रें और भी हैं।

स्टारलैंक सेवा के मामले में दलील हमेशा कुछ ऐसी रहती है-हिमालय की एक कक्षा, पूर्वोत्तर एक क्वलिफ़ियर, मौसम का हल देखात एक मछुआरा- इन सबको लाभ मिलेगा। खबरों के मुताबिक स्टारलैंक किट की कीमत 33,000 से 35,000 है और मासिक शुल्क कम से कम 3,000। इसकी तुलना उससे कीजिए, जो भारतीय आज चुकाते हैं।

फाइबर कनेक्शन 500 से 1,500 महीने में मिल जाता है और उसे लगवाने का खर्च स्टारलैंक किट के मुकाबले बहुत मामूली है। मोबाइल डेटा करीब 10 प्रति जीबी है। आम परिवार अपना इंटरनेट बिल 1,000 से नीचे रखता है। स्टारलैंक का मासिक शुल्क उसके सबसे करीबी विकल्पों से दो से पांच गुना है और हाइड्रोजन लगाना पंद्रह गुना महंगा।

माना जा रहा है कि स्टारलैंक भारत में एक प्रीमियम निश बना रहेगा यानी गिने-चुने संपन्न ग्राहकों की सेवा। इसके

संभावित खरीदार रिज़ार्ट, दूरदराज के कार्यस्थल और बैंकअप लाइन चाहने वाली कंपनियां हो सकती हैं। गांव का आदमी इस कहानी में तभी आता है, जब सरकार पैसा भरे यानी जनता का पैसा लेकर विदेशी कंपनी के पास जाए- उस काम के लिए जिसके लिए भारतदेश को पैसा दिया गया है।

इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि कुछ समय पहले मणिपुर में सुरक्षा बलों ने उग्रवादी गुटों से स्टारलैंक के उपकरण बरामद किए थे और तब ऐसी भी खबरें आई थीं कि म्यांमार सीमा के पास उग्रवादियों ने हिंसा के दौरान इंटरनेट बंदी से बचने के लिए तस्करी से लाभ गए उपकरणों का इस्तेमाल किया। अंडमान में हुई एक ज्वत्नी में भी एक टर्मिनल मिला था। दूसरे देशों ने भी यही देखा है। बोलीला ने स्टारलैंक को लाइसेंस देने से मना किया, फिर भी वहां पड़ोसी देशों से किट पहुंची और वे ब्राज़ील या चिली के पतों पर रजिस्टर कराई गईं।

—धनंजय राजौरा

गज पर सवार होकर सुख-समृद्धि लाई मां दुर्गा

10 दिनों तक गरबों से सजेगी नगर की शाम, माता मंदिरों में हुई घट स्थापना

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। आए नवराते माता के.....पहाड़ों वाली मां.....मेहरा वाली कर दे झोलियां सबकी भर दे....इन भक्ति गीतों के साथ नगर का वातावरण भक्तिमय बना हुआ था। हर कोई मंदिर पहुंचकर माता के स्वागत और घट स्थापना में शामिल हुआ। क्योंकि इस बार मां गज पर सवार होकर अपने भक्तों के लिए सुख-समृद्धि लेकर आईं। जिनके स्वागत में नगर के माता मंदिरों में लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी।

नगर के प्रसिद्ध मां राजराजेश्वरी माता मंदिर में भी शुभ मुहूर्त में घट स्थापना की गई। यहां विधायक अरूण भीमावद, सर्व हिन्दू उत्सव समिति अध्यक्ष पं. आशीष नागर, एसपी प्रियंका शुक्ला, नपाध्यक्ष प्रेम जैन, उपाध्यक्ष पं. संतोष जोशी सहित कई अधिकारी और



जनप्रतिनिधियों ने माता की आरती कर उनकी आराधना की। इसके साथ ही नगर में शारदेय नवरात्रि की शुरूआत हो गई और इस दिन शुभ मुहूर्त में माता जी की घट स्थापना की गई। इसके साथ ही अद्व श्रद्धालु पूरी नवरात्रि माता की आराधना में लीन होकर मंगल कामनाएं

करेंगे। अलसुबह से ही नवरात्रि पर्व का उत्साह नगर में नजर आने लगा और लोगों ने माता के जयकारे लगाए। धार्मिक आयोजनों के बीच सुबह से देर रात तक माता मंदिर और सार्वजनिक पंञ्चल मां के जयकारों से गुंजायमान रहे। बड़ी संख्या में भक्तों ने यहां पहुंचकर सुख-समृद्धि की कामना की। विभिन्न उत्सव समितियों द्वारा भी माता की आकर्षक प्रतिमाओं

को चल समारोह के रूप में नगर भ्रमण कराया गया। इसके बाद निर्धारित स्थानों पर विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर प्रतिमाओं की घट स्थापना की गई। इसी प्रकार कसेरा बाजार स्थित रूपा माता मंदिर में भी शुभ मुहूर्त में पंडित और गणमान्य नागरिकों द्वारा घटस्थापना

की गई। यहां नवरात्रि पर्व के दौरान प्रतिदिन धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके अलावा दुपाड़ा रोड स्थित मां चामुंडा, नई सड़क स्थित मां बिजासन मंदिर, स्टेशन मार्ग स्थित गायत्री माता मंदिर, लालबाई-फूलबाई माता मंदिर, सोमेश्वर मार्ग स्थित शीतला माता मंदिर, समीपस्थ ग्राम करेड़ी ने यहां पहुंचकर सुख-अर्चना में भी घट स्थापना कर मंगल कामनाएं की गईं।

9 दिनों तक गरबों से होगी माता की आराधना- नवरात्रि पर्व के प्रारंभ होते ही शहर में गरबा उत्सव भी शुरू हो गया। जिसके लिए महिलाएं और छोटी-छोटी बालिकाएं कई दिनों से तैयारियों में जुटी हुई थी। जिनके द्वारा विभिन्न गरबा पांडालों में गरबों के माध्यम से माता की आराधना की जाएगी।

मां चामुंडा के दरबार में पहुंचे कलेक्टर ऋतुराज सिंह, जिले की सुख-समृद्धि के लिए की प्रार्थना

नवरात्रि के पहले दिन सपत्नीक की पूजा-अर्चना, टेकरी पर 100 से अधिक वॉलंटियर्स संभाल रहे त्यवरस्था

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शारदीय नवरात्रि के पहले दिन कलेक्टर ऋतुराज सिंह सपत्नीक माता टेकरी पहुंचे। उन्होंने मां तुलजा भवानी और मां चामुंडा की विधिवत पूजा-अर्चना कर जिलेवासियों की सुख-शांति, समृद्धि और खुशहाली के लिए प्रार्थना की।

पूजा-अर्चना के बाद कलेक्टर ने टेकरी परिसर का निरीक्षण कर श्रद्धालुओं के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को दर्शन



व्यवस्था सुचारू रखने और श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी नहीं होने देने के निर्देश दिए। नवरात्रि के दौरान बढ़ने वाली भीड़ को देखते हुए प्रशासन और पुलिस ने सुशां एवं भीड़ प्रबंधन के

पुख्ता इंतजाम किए हैं। टेकरी परिसर और प्रमुख मार्गों पर सीसीटीवी कैमरों से निगरानी रखी जा रही है। पर्याप्त पुलिस बल भी तैनात किया गया है।

इस बार 100 से अधिक वॉलंटियर्स श्रद्धालुओं की सेवा और मार्गदर्शन में जुटे हैं।

श्रद्धालुओं की आवाजाही को आसान बनाने के लिए मार्गों पर स्पष्ट साइनेज लगाए गए हैं। प्रशासन का लक्ष्य है कि बाहर से आने वाले और स्थानीय श्रद्धालुओं को सुरक्षित, व्यवस्थित और सुगम दर्शन मिलें।

कंटेनर में घुसी बाईक, दो दोस्तों की मौत



शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मक्सी बायपास पर रविवार सुबह करीब 6 बजे भीषण हादसा हो गया जब इंदौर से नलखेड़ा जा रहे दो दोस्तों की बाईक एक कंटेनर में घुस गई। जिससे दोनों की मौत हो गई। इनके पीछे इनके दो दोस्त भी दूसरी बाईक पर सवार थे।

इस हादसे में कार्तिक पिता धीरज सिंह निवासी नवागढ़ आष्टा, सीहोर और साक्षी पिता संदीप निवासी मिसरोद होशंगाबाद इंदौर से मां बगलामुखी के दर्शन के लिए नलखेड़ा जा रहे थे। वे अपने दो अन्य दोस्तों के साथ दो बाइक पर निकले थे। कनासिया नाका के बाद उनकी बाइक कंटेनर से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। उनके पीछे दूसरी बाइक पर यश राज ठाकुर (20) और मुस्कान ठाकुर (19) भी आ रहे थे। हादसे के बाद 108 एंबुलेंस से घायलों को शाजापुर जिला अस्पताल पहुंचाया गया। ड्यूटी डॉक्टर अरूण पाटीदार ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया। कोतवाली पुलिस ने अस्पताल की सूचना पर धारा 194 बीएनएसएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस हादसे की वजह पता कर रही है।

इंदिरा गांधी शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय छिंदवाड़ा में दो दिवसीय स्टार्टअप एवं उद्यमिता कार्यशाला का हुआ समापन



आयोजित दो दिवसीय इनक्यूबेशन, स्टार्टअप एवं उद्यमिता कार्यशाला का गत दिवस शनिवार को समापन हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. शेषराव यादव, कार्यक्रम अध्यक्ष श्री अजय सक्सेना तथा विशेष अतिथियों श्री विजय पांडे, श्री भारत घई, श्री धर्मेद मिमलानी और श्री राकेश माइकल पहाड़े का स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मान किया गया।

मुख्य अतिथि डॉ. शेषराव यादव ने विद्यार्थियों के साथ अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि युवा अपने नए विचारों पर काम करें और छोटे स्तर से शुरूआत कर उन्हें बड़े कारोबार में बदलने का प्रयास करें। उन्होंने युवाओं को नौकरी तलाशने के बजाय रोजगार सृजन करने वाला बनने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम अध्यक्ष श्री अजय सक्सेना ने कहा कि अनुशासन, परिश्रम और प्रभावी योजना व्यवसाय की सफलता का आधार है। उन्होंने विद्यार्थियों को स्थानीय समस्याओं की पहचान कर उनके समाधान को व्यवसाय के अवसर में बदलने की सलाह दी। विशेष अतिथि श्री विजय पांडे ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की स्टार्टअप योजनाओं और युवाओं के लिए उपलब्ध अवसरों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि युवा नौकरी मांगने वाले नहीं, बल्कि नौकरी देने वाले बनें।

युवा उद्यमी श्री अजय सिंह राजपूत ने विज्ञान, ब्रांडिंग और मार्केटिंग के व्यावहारिक पहलुओं पर अपने अनुभव साझा किए। मोटिवेशनल स्पीकर प्रोफेसर अमर सिंह ने सफल व्यवसाय में संचार कौशल और प्रभावी संवाद के महत्व पर प्रकाश डाला। शासकीय महिला पॉलिटेक्निक महाविद्यालय, ग्वालियर के प्राचार्य डॉ. ए.ए.सिद्दीकी ने स्टार्टअप एवं इनक्यूबेशन से जुड़े विषयों पर अपने विचार रखे। इहाँ, जिला उद्योग एवं व्यापार केंद्र से ओजस्विनी काले ने मध्यप्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी विद्यार्थियों को दी।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आलोक यादव ने कहा कि विद्यार्थी अपने कौशल को अवसर बनाएं, विचारों को नवाचार में बदलें और नौकरी तलाशने के साथ रोजगार देने का संकल्प भी लें। तकनीकी शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी पाना नहीं, बल्कि अपने कौशल से समस्याओं का समाधान करना और रोजगार के अवसर सृजित करना भी है। उन्होंने विद्यार्थियों को छोटे विचार से बड़े कारोबार तक पहुंचने के लिए प्रेरित किया।

कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों को बिजनेस आईडिया, व्यवसाय मॉडल, नवाचार और स्वरोजगार से जुड़े व्यावहारिक पहलुओं पर मार्गदर्शन दिया गया। वक्ताओं ने दिशा, नवाचार और उद्यमिता के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने का संदेश दिया।

कार्यक्रम का संचालन एवं समन्वय श्रीमती नीलम खासकलम ने किया,

कोतवाली के सामने ही स्कूल में चोरी कर गए बदमाश

एमजी कान्हेट स्कूल से 10 हजार की नगदी पर किया हाथ साफ, सीसीटीवी में दिखे बदमाश

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। एबी रोड पर कोतवाली थाने के सामने स्थित एमजी कान्हेट स्कूल में अज्ञात बदमाशों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया। यहां से बदमाश 10 हजार रू. नगद चुरा ले गए। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पुलिस ने स्कूल पहुंचकर फिंगर प्रिंट लिए और घटना स्थल का निरीक्षण किया। स्कूल में लगे सीसीटीवी कैमरे में भी दो बदमाश चोरी करते दिखाई दे रहे हैं।

जानकारी के अनुसार घटना रात करीब 1 बजे की है और स्कूल प्रबंधन को चोरी का पता रविवार सुबह चला। जब फादर जार्ज को स्कूल पहुंचे और उन्होंने तुरंत पुलिस को इसकी खबर दी। चोरी की यह पूरी वारदात स्कूल में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है, जिसमें दो चोर साफ नजर आ रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और फिंगरप्रिंट्स जुटाने के साथ ही सीसीटीवी



फुटेज के आधार पर चोरों की तलाश शुरू कर दी है। थाने के ठीक सामने हुई इस चोरी के बाद शहर की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

दो माह पहले भी स्कूलों को बनाया था निशाना- करीब दो माह पहले भी बदमाशों ने इसी क्षेत्र में दो निजी स्कूलों को निशाना बनाया था। इनमें कोटिल्यू एज्यूकेशन से बदमाश हजारों की नगदी ले गए थे और इटर्नल स्कूल में भी बदमाश घुसे थे जहां से वे खाली हाथ लौटे थे। जिसके दो माह बाद फिर बदमाशों ने निजी स्कूल को निशाना बनाते हुए यहां भी नगदी पर हाथ साफ किया। पहले हुई दो वारदातों का भी अब तक पुलिस पता नहीं लगा पाई है। वहीं शनिवार रात को हुई इस वारदात ने फिर सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। हालांकि शहर में बढ़ती चोरियों पर लगाम लगाने के लिए एसपी प्रियंका शुक्ला ने विशेष टीमें गठित की हैं जिनके द्वारा बदमाशों की तलाश की जा रही है।

राष्ट्रीय इंस्पायर अवार्ड में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करेगा इटर्नल का आगम प्रदेश के 27 बाल वैज्ञानिकों में हुआ चयन

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। बच्चों में इनोवेशन और वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने के लिए आयोजित की जाने वाली राष्ट्रीय इंस्पायर मानक प्रदर्शनी का आयोजन भारत मंडपम नई दिल्ली में 12-13 अक्टूबर को किया जाएगा। जिसमें इस बार एबी रोड स्थित इटर्नल स्कूल ऑफ स्टडीज के छात्र आगम चौरङिया भी शामिल होंगे। जो प्रदेश के चयनित 27 बाल वैज्ञानिकों में शामिल है। जिसके मॉडल को इस प्रतियोगिता के लिए चयनित किया गया है।

शाजापुर जिले से केवल इटर्नल स्कूल ऑफ स्टडीज के छात्र आगम पिता कपिल चौरङिया के द्वारा इस राष्ट्रीय प्रदर्शनी में मप्र का प्रतिनिधित्व किया जायेगा। जहां सर्वश्रेष्ठ 60 मॉडलों चयनित होने पर इस आविष्कार का



बौद्धिक सम्पदा अधिकार या पेटेंट भी प्राप्त होगा। दरअसल आगम ने दोपहिया वाहनों पर आमजन और महिलाओं को यात्रा के दौरान आने वाली समस्याओं को हल करने वाले

आईडिया को लेकर मॉडल बनाया था। जिसका चयन मध्यप्रदेश के श्रेष्ठ विज्ञान नवाचार मॉडलों में हुआ था। इसके लिए छात्र आगम के द्वारा दोपहिया वाहनों पर भारतीय महिलाओं को यात्रा के दौरान आने वाली समस्याओं का सर्वे विद्यालय के शिक्षक शैलेंद्र कसेरा के तकनीकी मार्गदर्शन में तैयार किया गया। जिसमें छात्र आगम द्वारा स्वयं महिलाओं की समस्याओं गहराई से समझ कर डिजाइन का हल ढूंढने का प्रयास किया। इस उपलब्धि के पश्चात छात्र दिल्ली में होने वाली राष्ट्रीय इंस्पायर अवार्ड मानक प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश के साथ शाजापुर का भी प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिला। छात्र के चयन पर जिला शिक्षा अधिकारी दीपा कीर, जिला विज्ञान अधिकारी

ओपी पाटीदार, इटर्नल स्कूल प्राचार्य डॉ. सोदामिनी झाला, संचालक विशाल झाला सहित समस्त शिक्षकों द्वारा चयनित छात्र को राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में शामिल होने पर हर्ष व्यक्त करते हुए आगम के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

दूसरी बार विद्यालय ने किया गौरवान्वित- इंस्पायर अवार्ड मानक प्रतियोगिता में शाजापुर जिले से दूसरी बार किसी विद्यार्थी को राष्ट्रीय इंस्पायर अवार्ड मानक में मध्यप्रदेश के साथ साथ शाजापुर का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिल रहा है। खास बात यह है कि जिले का पहली छात्रा इटर्नल स्कूल की ही थप्रास होगा जबकि राष्ट्रीय इंस्पायर अवार्ड मानक में पहला ब्राह्मी जैन थी। जो इस प्रतियोगिता में प्रदेश और जिले का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं।

विश्व कपास दिवस पर कुक्षी में कृषक प्रशिक्षण आयोजित, 200 से अधिक किसानों ने सीखी उन्नत उत्पादन तकनीकेंलंबे एवं अतिरिक्त लंबे रेशे वाली कपास की खेती

धार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय कपास उत्पादकता मिशन के अंतर्गत एवं विश्व कपास दिवस के उपलक्ष्य में किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, विकासखंड कुक्षी के सहयोग से साठमा कॉटन डेवलपमेंट एंड रिसर्च एसोसिएशन, कोयंबटूर द्वारा कुक्षी में एक दिवसीय क्लस्टर स्तरीय कृषक प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में विकासखंड के 200 से अधिक प्रगतिशील किसानों ने सहभागिता कर कपास की उन्नत खेती एवं आधुनिक कृषि तकनीकों की जानकारी प्राप्त की।

प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य किसानों को लंबे रेशे एवं अतिरिक्त लंबे रेशे (इंग्लैस) वाली कपास की उन्नत किस्मों की उत्पादन तकनीकों से अवगत कराना तथा सर्वोत्तम कृषि पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना था। प्रशिक्षण के माध्यम से किसानों को कपास की उत्पादकता बढ़ाने, खेती की लागत कम करने और गुणवत्तापूर्ण उत्पादन प्राप्त करने के संबंध में तकनीकी मार्गदर्शन दिया गया।

उन्नत तकनीक अपनाकर बढ़ाएं कपास की



उत्पादकता- कार्यक्रम में किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, जिला धार के उप संचालक श्री विजय चौरसिया ने किसानों को कपास उत्पादन की आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी। उन्होंने उच्च घनत्व पौध रोपण प्रणाली (एचडीपीएस) एवं कम दूरी पर पौध रोपण तकनीक अपनाने पर जोर दिया। इस तकनीक के अंतर्गत कतार से कतार तथा पौधे से पौधे के बीच 3 म 1 फीट की दूरी पर कपास की बुवाई करने

की जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि उन्नत उत्पादन तकनीकों को अपनाकर किसान सीमित रकबे में भी बेहतर उत्पादन प्राप्त कर अपनी आय में वृद्धि कर सकते हैं। श्री चौरसिया ने कपास की फसल में समन्वित कीट प्रबंधन (आईपीएम) अपनाने की सलाह दी। उन्होंने संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन, मिट्टी परीक्षण के आधार पर उर्वरकों के विवेकपूर्ण उपयोग तथा फसल की आवश्यकताओं के अनुरूप कृषि कार्य करने की तकनीकी जानकारी भी दी।

उन्नत किस्मों की प्रदर्शनी और प्रदर्शन

प्रक्षेत्र का करायी भ्रमण - प्रशिक्षण स्थल पर शक्ति बीटी एवं सुरक्षा कपास की उन्नत किस्मों की प्रदर्शनी लगाई गई। किसानों को शक्ति बीटी कपास के प्रदर्शन प्रक्षेत्र का प्रत्यक्ष भ्रमण भी करायी गया। इस दौरान उन्हें खेत में अपनाई गई उत्पादन तकनीकों, पौधों की दूरी तथा उन्नत कृषि पद्धतियों की व्यावहारिक जानकारी दी गई, जिससे वे इन तकनीकों को अपने खेतों में अपनाने के लिए प्रेरित हो सकें।

बीएसडब्ल्यू/एमएसडब्ल्यू के विद्यार्थियों ने ग्राम खापाभाट में लगाई अपनी प्रयोगशाला, स्वच्छता की पाठशाला के माध्यम से किया जागरूक

छिंदवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वच्छता एवं स्वास्थ्य जागरूकता अभियान के अंतर्गत मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद छिंदवाड़ा द्वारा जिला समन्वयक श्री अखिलेश जैन के मार्गदर्शन में गत दिवस ग्राम खापाभाट में स्वच्छता अभियान चलाया गया। शासकीय माध्यमिक शाला खापाभाट में मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित समाजसेवा में स्नातक (बीएसडब्ल्यू) एवं स्नातकोत्तर (एमएसडब्ल्यू) कक्षाओं के विद्यार्थियों ने अपने परामर्शदाता श्री विनोद तिवारी एवं डॉ. लता नागले के साथ ग्रामीणों के बीच पहुंचकर शासन की योजनाओं की जानकारी साझा की। विद्यार्थियों ने ग्राम की झुग्गी बस्ती में लोगों से चर्चा



कर शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी तथा यह जाना कि ग्रामीणों को किन-किन शासकीय योजनाओं

का लाभ नहीं मिल पा रहा है। इसके बाद आंगनबाड़ी केंद्र में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती संध्या युवनाती एवं श्री संध्या उडके ने ग्रामीणों को आंगनबाड़ी के माध्यम से मिलने वाली लाभकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शूच्य से छह वर्ष तक के बच्चों को पोषित आहार, कुपोषित बच्चों के लिए उचित उपचार, धात्री महिलाओं के लिए योजनाओं का लाभ तथा किशोरी बालिकाओं की समय-समय पर काउंसलिंग और स्वस्थ रहने संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की जाती है। इसके बाद शासकीय माध्यमिक शाला खापाभाट में

विद्यार्थियों को स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। परामर्शदाता श्री विनोद तिवारी ने बच्चों को स्वच्छता अपनाने की समझाइश दी तथा उनके स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्राप्त की। उन्होंने बताया कि बीएसडब्ल्यू एवं एमएसडब्ल्यू के सेक्टर नंबर-5 के विद्यार्थी अपनी-अपनी प्रयोगशाला के रूप में ग्राम में पहुंचकर यह जानने का प्रयास कर रहे हैं कि शासन की योजनाएं किस प्रकार क्रियान्वित हो रही हैं और कौन-कौन सी योजनाएं ग्रामीणों के लिए हितकारी हैं।

परामर्शदाता डॉ.लता नागले ने स्कूली बच्चों को अच्छी आदतें अपनाने और स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया।

घर के बाहर खेल रहे दो बच्चों पर टूट पड़े आवारा श्वान



आवारा कुत्तों ने हमला कर दिया। इस घटना में 6 साल और डेढ़ साल के दोनों बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। जिनका उपचार जिला अस्पताल में किया जा रहा है।

परिजनों ने बताया कि दोनों बच्चे अपने-अपने घरों के बाहर खेल रहे थे। इसी दौरान आवारा कुत्तों ने अचानक उन पर हमला कर दिया। हमले में देवेद्र (6) पिता महेश के कंधे पर गंभीर चोट आई है। वहीं डेढ़ वर्षीय जुनेद पिता जावेद के गाल पर कुत्ते ने काट लिया। दोनों बच्चों को गंभीर चोटें आई हैं। घटना के बाद परिजन दोनों बच्चों को जिला अस्पताल शाजापुर लेकर पहुंचे। यहां डाक्टरों की देखरेख में उनका इलाज किया जा रहा है। अचानक हुए हमले से परिजन चिंतित हैं। वहीं, गांव में छोटे बच्चों की सुरक्षा को लेकर ग्रामीणों में डर बना हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि आबादी वाले क्षेत्रों में घूमने वाले आवारा कुत्तों से बच्चों को खतरा बना रहता है। बच्चों पर हमले की घटना के बाद ग्रामीणों में आक्रोश है। उन्होंने प्रशासन और संबंधित विभाग से आवारा कुत्तों की समस्या का समाधान करने और उनकी रोकथाम के सख्त कदम उठाने की मांग की है।

अब तक 176 हिरणों का किया रेस्क्यू, आज अरंडिया पहुंचेगा दल



शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के ग्राम हनूखेड़ी में हेलीकॉप्टर से हिरणों को रेस्क्यू करने का सिलसिला रविवार को भी जारी रहा और इस दिन 76 हिरणों को पकड़कर सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। अब तक दक्षिण

अफ्रीका की टीम और वन विभाग के दल द्वारा 176 हिरणों को पकड़ा जा चुका है। वहीं आज सोमवार को दल ग्राम अरंडिया पहुंचेगा। जहां ये अभियान चलाया जाएगा। गौरतलब है अभियान के तहत 2 हजार वन्यजीवों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का लक्ष्य है। जिसके चलते दल अब सोमवार 12 अक्टूबर को बोधा का स्थान बदलकर अरंडिया या उसके आसपास तय किया जाएगा। इधर रविवार को नवरात्र के पहले दिन ग्रामीणों ने दक्षिण अफ्रीका से आए 14 सदस्यीय दल का चुनरी और दुपट्टे भेंट कर स्वागत किया। विधायक वनस्पतम चंद्रवंशी भी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से वन विभाग की टीम और दक्षिण अफ्रीकी दल का सहयोग करने की अपील की।

छोटे से गांव फरकोदा से देशसेवा के सपने तक पहुंचा मानस चौधरी, एनडीए परीक्षा में सफलता से बढ़ाया क्षेत्र का गौरव

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। छोटे से गांव की मिट्टी में पले-बढ़े सपने जब देशसेवा की राह पर आगे बढ़ते हैं, तो गर्व केवल परिवार को ही नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र को होता है। गौतमपुरा क्षेत्र के ग्राम फरकोदा के मानस चौधरी ने यूपीएससी की राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) एवं नौसेना अकादमी परीक्षा (ट्रुट्ट), 2026 की लिखित परीक्षा में सफलता हासिल कर क्षेत्र को गौरवांवित किया है। मानस के पिता नायब सूबेदार एमटेक एविएशन इलेक्ट्रिकल श्री ओमप्रकाश चौधरी हैं, जो स्वयं देशसेवा में



समर्पित हैं। संघ लोक सेवा आयोग द्वारा जारी परिणाम में मानस का रोल नंबर सफल अभ्यर्थियों की सूची में शामिल है। यह सफलता उनके परिश्रम, लगन और देश के लिए कुछ कर गुजरने के संकल्प को दर्शाती है। अब मानस को सेवा चयन बोर्ड (एसएसबी) के एविएशन इलेक्ट्रिकल ओमप्रकाश चौधरी के वर्तमान में असम के डिब्रूगढ़ में पदस्थ है।

अवसर मिलेगा। यह उनके सपने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अंतिम चयन के लिए आगे की प्रक्रिया पूरी करना आवश्यक होगा।

पिता देशसेवा में समर्पित, बेटे की सफलता से परिवार गौरवांवित- नायब सूबेदार एमटेक ओमप्रकाश चौधरी

वे अपने कर्तव्य के माध्यम से देशसेवा कर रहे हैं और अब उनके बेटे मानस ने भी देश की रक्षा में योगदान देने की दिशा में कदम बढ़ाया है। पिता की देशसेवा और बेटे की उपलब्धि का यह संगम परिवार के लिए गर्व का विषय है।

ओमप्रकाश चौधरी का मानना है कि देशसेवा का अवसर मिलना सौभाग्य और गौरव की बात है। एक सैनिक पिता के लिए इससे सुखद अनुभूति क्या होगी कि उसका बेटा भी राष्ट्रसेवा के मार्ग पर आगे बढ़ने का सपना देख रहा है।

ग्राम फरकोदा जैसे छोटे से ग्रामीण

खाचरोद लीडरशिप में 13 अक्टूबर को खाचरोद में विशाल स्वास्थ्य शिविर का आयोजन दिव्यांगजनों के बनेंगे दिव्यांग प्रमाण पत्र

खाचरोद/ मुरलीदास बैरागी/दैनिक मालावा हेराल्ड। सरकार आपके द्वार अभियान- माननीय विधायक डा तेजबहादुरसिंह चौहान की लीडरशिप में 13 अक्टूबर को खाचरोद में विशाल स्वास्थ्य शिविर का आयोजन दिव्यांगजनों के बनेंगे दिव्यांग प्रमाण पत्र चोइथराम अस्पताल इंदौर में होगा निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन नगरपालिका के सफाई मित्रों एवं कोटवारों का भी होगा विशेष स्वास्थ्य परीक्षण खाचरोद मध्यप्रदेश शासन के जनहिस्तीषी%सेवा सेतु अभियान (सरकार आपके द्वार) के अंतर्गत आगामी 13 अक्टूबर 2026 को खाचरोद में एक दिवसीय विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है इस शिविर का मुख्य उद्देश्य अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना और पात्र हितग्राहियों को मौके पर ही शासकीय योजनाओं का लाभ प्रदान करना है एसडीएम नेहा

साहू के मार्गदर्शन में नगर पालिका परिषद खाचरोद एवं स्वास्थ्य विभाग ब्लाक खाचरोद के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित शिविर के दौरान निम्नलिखित प्रमुख सेवाएं पूर्णतः निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएंगी-दिव्यांग प्रमाण पत्र निर्माण- शिविर में आने वाले दिव्यांगजनों का मेडिकल बोर्ड के विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा परीक्षण किया जाएगा तथा पात्र हितग्राहियों के दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाए जायेंगे

मोतियाबिंद जांच एवं निःशुल्क ऑपरेशन शिविर में नेत्र रोगियों का परीक्षण कर मोतियाबिंद से पीड़ित मरीजों का चयन किया जाएगा चयनित मरीजों को उसी दिन सुप्रसिद्ध चोइथराम अस्पताल इंदौर में पूर्णतः निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन हेतु ले जाया जाएगा मरीजों को इंदौर ले जाने लाने एवं आवास-भोजन की व्यवस्था निःशुल्क रहेगी सफाई कर्मियों एवं कोटवारों का परीक्षण- नगर की

उन्हेंल निबोदिया खुर्द टेकरी में बाबा रूपसिंह जी महाराज की प्रतिमा स्थापना, बालू खींची बंजारा ने दिया शिक्षा, एकता और संस्कृति का संदेश



देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रविवार को नगर सहित आसपास के ग्रामीण अंचल में शारदीय नवरात्रि पर्व की शुरुआत हो गई। नगर में अनेक स्थानों पर मां अम्बे की घट स्थापना की गई और गरबा आयोजनों का शुभारंभ हुआ। देपालपुर नगर के बस स्टैंड स्थित माता रानी के दरबार में जय बालाजी रूप के तत्वावधान में माता आदिशक्ति का भव्य आगमन हुआ। रंग-बिरंगी रोशनी और आकर्षक श्रृंगार से सुसज्जित दरबार में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। आतिशबाजी के बीच माता रानी के प्रथम आगमन पर छप्पन भोग का आयोजन किया गया। जय बालाजी रूप के संयोजक चंद्रजीत यादव ने बताया कि इस अवसर पर फलिहारी खिचड़ी का वितरण भी किया गया, जिसमें भक्तों ने प्रसाद ग्रहण कर आशीर्वाद प्राप्त किया। महाआरती के दौरान भक्तों के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। यह आयोजन नवरात्रि पर्व की धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक उत्सव का अद्भुत संगम रहा, जिसमें बड़ी संख्या में नगरवासियों ने पहुंचकर माता रानी के दर्शन किए।

धार जिले में नरवाई जलाने पर प्रतिबंधात्मक आदेश जारी

धार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में पर्यावरण संरक्षण, जनस्वास्थ्य की सुरक्षा तथा फसल अवशेष जलाने से होने वाली संभावित हानि की रोकथाम के लिए एनएच जिला दंडाधिकारी श्री संजीव केसव पंडेय ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के अंतर्गत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। आदेश के अनुसार भक्तों में नरवाई जलाने पर प्रतिबंध रहेगा तथा फसल कटाई में उपयोग किए जाने वाले कंबाइन हार्वेस्टर के साथ स्ट्र मैनेजमेंट सिस्टम (एसएमएस) अथवा स्ट्र रीपर में से किसी एक मशीन का उपयोग अनिवार्य होगा। यह आदेश 6 दिसंबर 2026 तक प्रभावशील रहेगा।

कंबाइन हार्वेस्टर के साथ एसएमएस अथवा स्ट्र रीपर अनिवार्य- जारी आदेश के तहत जिले में फसल कटाई के लिए उपयोग किए जाने वाले प्रत्येक कंबाइन हार्वेस्टर के साथ स्ट्र मैनेजमेंट सिस्टम अथवा स्ट्र रीपर का होना अनिवार्य किया गया है। कृषकों की भूसे की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए एसएमएस के स्थान पर स्ट्र रीपर का उपयोग किया जा सकेगा। जिला परिवहन अधिकारी एवं सहायक कृषि आयोजिका, जिला धार को कंबाइन हार्वेस्टर के संचालन की सतत निगरानी करने तथा निर्धारित मशीनों के बिना हार्वेस्टर चलाए जाने पर वैधानिक कार्यवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

नरवाई जलाने से मिट्टी की उर्वरता और पर्यावरण को नुकसान आदेश में बताया गया है कि खेतों में फसल अवशेष अथवा नरवाई जलाने से मिट्टी में मौजूद लाभदायक सूक्ष्म जीव नष्ट होते हैं

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्राम निबोदिया खुर्द टेकरी में आराध्य देव बाबा रूपसिंह जी महाराज की बोर्ड प्रतिमा स्थापना समारोह श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर प्रतिमा स्थापित की गई। समारोह में बंजारा समाज के वरिष्ठ पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं समाजजनों ने भाग लेकर बाबा के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की।

समारोह को संबोधित करते हुए जिला पंचायत सदस्य श्री बालू जी खींची बंजारा ने समाज के गौरवशाली इतिहास, समृद्ध संस्कृति और महापुरुषों के आदर्शों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि समाज की असली ताकत उसकी एकता, संस्कार और शिक्षा में है। अपने इतिहास और संस्कृति को अगली पीढ़ी तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है।



उन्होंने युवाओं और अभिभावकों से आह्वान किया कि बच्चों को उच्च शिक्षा दिलाएं, युवाओं को आगे बढ़ने के अवसर दें तथा सामाजिक कुरीतियों से दूर रहकर समाज के विकास में योगदान दें। उन्होंने कहा कि शिक्षित युवा ही समाज का भविष्य हैं और

एकजुट समाज ही प्रगति की नई ऊंचाइयों को छू सकता है।

बालू जी खींची ने समाजजनों से आपसी मतभेद भुलाकर भाईचारे, सहयोग और संगठन की भावना को मजबूत करने की अपील की। उन्होंने बाबा रूपसिंह जी महाराज के आदर्शों

पर चलकर समाज को शिक्षा, जागरूकता और विकास की नई दिशा देने का संदेश दिया।

समारोह में उपस्थित प्रमुख समाजजन- जिला पंचायत सदस्य सागर जी काछवा, राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल जी मोड़वत, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गिरधारी जी खींची, राष्ट्रीय महामंत्री कैलाश जी चावड़ा, राष्ट्रीय कार्यकारिणी अध्यक्ष रामा जी दायमा, रामसिंह जी मोड़वत, कालू बाबा, नारद जी खींची, युवा प्रदेश महामंत्री श्यामलाल जी मोड़वत, संभाग अध्यक्ष तूफान जी जंजिर, सोशल मीडिया प्रभारी राहुल दायमा एवं दुर्गालाल जी गौड़ सहित अनेक गणमान्य समाजजन उपस्थित रहे।

यह आयोजन केवल प्रतिमा स्थापना तक सीमित नहीं रहा, बल्कि समाज की आस्था, सांस्कृतिक विरासत, सामाजिक एकता और उज्ज्वल भविष्य के संकल्प का प्रतीक बना।

श्री महामाया महिषासुर मर्दिनी मंदिर विक्रमगढ़ में 9 दिवसीय नवरात्रि महोत्सव का भव्य आयोजन



और उसकी बलि दी जाती थी, जिसे कालान्तर में पूणतः बंद कर दिया गया।

ऐतिहासिक धरोहर- ऐतिहासिक मंदिर का निर्माण संवत 1774 (सन 1717) में रावत

चंद्रशेखर आजाद वार्ड में गाजे-बाजे और जयकारों के साथ हुआ माता रानी का आगमन

श्री नवदुर्गा उत्सव समिति ने विधि-विधान से की पूजा-अर्चना, आरती में शामिल हुए श्रद्धालु, प्रसादी का हुआ वितरण



विधान के साथ उनकी स्थापना की गई। इसके बाद पंडित आशीष जी पौराणिक द्वारा मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना संपन्न कराई गई। वैदिक रीति-रिवाजों के अनुसार पूजन कर

कर धर्मलाभा लिया। आरती संपन्न होने के बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। माता रानी के आगमन के साथ ही वार्ड में नवरात्रि उत्सव की

शुरुआत भक्तिमय वातावरण में हुई। श्रद्धालुओं में पर्व को लेकर विशेष उत्साह नजर आया। नवरात्रि के इन पावन दिनों में मां दुर्गा की आराधना, पूजा-अर्चना और धार्मिक आयोजनों के माध्यम से श्रद्धालु भक्ति भाव से माता रानी की उपसमा करेगे।

श्री नवदुर्गा उत्सव समिति चंद्रशेखर आजाद वार्ड द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित किए जाने वाला यह धार्मिक आयोजन क्षेत्र की आस्था, परंपरा और धार्मिक एकता का प्रतीक है। माता रानी के आगमन के अवसर पर वार्ड में उत्सवी माहौल रहा तथा श्रद्धालुओं ने माता रानी से सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि बनाए रखने की प्रार्थना की।

उन्हेल में वक्फ बोर्ड चेयरमैन डॉ. सनावर पटेल साहब का भव्य स्वागत एवं अभिनंदन



उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी उन्हेल मंडल अध्यक्ष श्री राजकुमार जी जैन के शेरूम पर वक्फ बोर्ड के चेयरमैन आदरणीय डॉ. सनावर पटेल साहब का भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा पुष्पमालाओं से आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

इस अवसर पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा उज्जैन जिला ग्रामीण के जिला अध्यक्ष आदरणीय गम्बर पटेल साहब की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कब्रिस्तान परिसर में पौधारोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश - सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत उन्हेल कब्रिस्तान परिसर में पौधारोपण किया गया। इस दौरान एक पेड़ माँ के नाम अभियान के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली बढ़ाने का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता- भाजपा उन्हेल मंडल अध्यक्ष श्री राजकुमार जैन, पूर्व जिला उपाध्यक्ष श्री दिलीप मोदी, उज्जैन जिला आईटी विभाग के जिला संयोजक श्री मुकेश गांधी, नामदा मंडल अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष श्री जाहिद भाई, जाकिर भाई, गुड्डू नागदा, असलम भाई, विकास जायसवाल, जिला मंत्री श्री राजेश नाथ पवार, पवन संखला, नायब सदर महबूब खान पठान, शाकिर खान एवं सत्तर चौधरी सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सेवा ही संकल्प, जनहित ही लक्ष्य। जनसेवा, संगठन की मजबूती और पर्यावरण संरक्षण के संकल्प के साथ सेवा संकल्प अभियान निरंतर आगे बढ़ रहा है।

आजीविका मिशन से जुड़कर सुनीता परस्ते ने शुरू किया बुटीक, हर महीने हो रही 20 हजार रुपए की आय

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आजीविका मिशन से जुड़कर स्न-सहायता समूह की महिलाएं आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। ऐसी ही एक उदाहरण कुण्डम विकासखंड के ग्राम हिनोता पंचायत अमझर की सुनीता परस्ते हैं, जिन्होंने आरसेटी (ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान) से प्रशिक्षण लेकर बुटीक स्थापित किया और अब इससे हर महीने करीब 20 हजार रुपए की आय अर्जित कर रही हैं। सुनीता परस्ते ने बताया कि करीब एक साल पहले उन्होंने बैंक ऑफ़ इंडिया से एक लाख रुपए का ऋण लिया था। इस राशि का उपयोग उन्होंने प्रशिक्षण लेने और बुटीक स्थापित करने में किया। आज बुटीक के माध्यम से वे अपना स्वरोजगार संचालित कर रही हैं। अब उनकी योजना रेडीमेड कुर्तियां तैयार कर उन्हें थोक दुकानों में सप्लाई करने की है। इसके साथ ही वे आजीविका मिशन के प्रशिक्षण केंद्र में काम कर अन्य महिलाओं को भी सिलाई एवं बुटीक संबंधी प्रशिक्षण देती हैं, ताकि वे अपना रोजगार शुरू कर आर्थिक स्थिति मजबूत कर सकें।

नेशनल लेवल मॉनिटर डॉ.मंजुनाथ ने छिंदवाड़ा जिले में राष्ट्रीय पशुधन मिशन की योजनाओं का किया सघन निरीक्षण



छिन्दवाड़ा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत सरकार के मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय द्वारा नामांकित नेशनल लेवल मॉनिटर डॉ. एम.टी.मंजुनाथ ने आज छिंदवाड़ा जिले के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित केंद्रीय योजनाओं का व्यापक भौतिक सत्यापन एवं निरीक्षण किया।

उप संचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग डॉ.एच.जी.एस. पक्षवार से प्राप्त जानकारी के अनुसार, केंद्रीय निरीक्षण दल ने क्षेत्र के प्रगतिशील पशुपालकों एवं हितग्राहियों का इकाइयों का निरीक्षण कर योजनाओं के क्रियावर्धन की जमीनी स्थिति का जायजा लिया।

09 अक्टूबर को बांकानगनपुर में बकरी पालन इकाई का निरीक्षण - निरीक्षण के दौरान 09 अक्टूबर 2026 को टीम ने ग्राम बांकानगनपुर का भ्रमण किया। यहां प्रगतिशील पशुपालक श्री नवीन सिंह रघुवंशी की 500 बकरी एवं 25 बकरा (500+25) क्षमता वाली वृहद वाणिज्यिक बकरी शेड निर्माण एवं चारा पालन इकाई का अवलोकन किया। इस दौरान टीम ने पशु प्रबंधन व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

10 अक्टूबर को जमुनिया में फोडर विकास योजना का अवलोकन - 10 अक्टूबर को टीम ग्राम जमुनिया पहुंची, जहां हितग्राही श्री पार्थ काकरा के प्रकरण का अवलोकन किया गया। इस दौरान फोडर विकास योजना से संबंधित विस्तृत जानकारी प्राप्त की गई।

सिलादेही में 200+10 क्षमता वाली इकाई का भौतिक सत्यापन - इसके बाद टीम ने ग्राम सिलादेही में हितग्राही श्री अनिल पवार की 200 बकरी एवं 10 बकरा (200+10) क्षमता वाली वृहद बकरी पालन इकाई का भौतिक सत्यापन किया।

घट स्थापना के साथ शुरू हुई शक्ति आराधना, देवी मंदिरों में उमड़ी भीड़

हरसिद्धि, चामुंडा और गढ़कालिका में दर्शन के लिए लगी कतारें- पहले दिन गरबा पांडालों में भी छाई रौनक

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शारदीय नवरात्रि का पर्व रविवार को घट स्थापना के साथ शुरू हुआ। नवरात्रि के पहले दिन शहर के प्रमुख देवी मंदिरों में दर्शन-पूजन के लिए सुबह से ही श्रद्धालुओं की कतारें लगी रहीं। वहीं शाम ढलते ही रोशनी से जगमगाते गरबा पंचलों में भी पहले ही दिन रौनक रही।

शारदीय नवरात्रि के पहले दिन



रविवार को हरसिद्धि, चामुंडा माता और गढ़कालिका मंदिर सहित चौसठ योगिनी, चौबीस खंबा और नगरकोट माता मंदिर में भक्तों ने माता के दर्शन कर सुख-समृद्धि की कामना की। मंदिरों के साथ घरों और सार्वजनिक पांडालों में भी विधि-विधान से घट स्थापना कर नौ दिवसीय अनुष्ठानों की शुरुआत की गई। इधर, नवरात्रि के पहले दिन शहर के

विभिन्न क्षेत्रों में सजे गरबा पांडालों में भी उत्सवी माहौल नजर आया। रात से गरबा आयोजनों का सिलसिला शुरू हुआ।

मंदिरों में दिनभर चला दर्शन-पूजन का दौर- नवरात्रि के पहले दिन सुबह से ही देवी मंदिरों में श्रद्धालुओं की आवाजाही शुरू हो गई थी। हरसिद्धि और चामुंडा माता मंदिर में दर्शन

के लिए भक्त पहुंचे। वहीं गढ़कालिका, चौसठ योगिनी, चौबीस खंबा और नगरकोट माता मंदिर में भी दिनभर पूजा-अर्चना होती रही। श्रद्धालुओं ने माता को चुनरी, नारियल और पुष्प अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। घरों और मंदिरों में शुभ मुहूर्त में घट स्थापना की गई।

सार्वजनिक नवरात्रि महोत्सव समितियों ने भी मंत्रोच्चार के साथ देवी प्रतिमाओं की स्थापना कर धार्मिक आयोजनों का शुभारंभ किया।

सजावट और रोशनी से जगमगाए गरबा पांडाल- नवरात्रि के साथ ही शहर में गरबा उत्सव की शुरुआत भी हो गई। विभिन्न क्षेत्रों में आकर्षक सजावट और रोशनी से पांडाल

सजाए गए। रविवार रात से गरबा आयोजनों में पारंपरिक धुनों पर प्रतिभागियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। नौ दिनों तक चलने वाले इस उत्सव में धार्मिक अनुष्ठानों के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे। गरबा पांडालों में आयोजन को लेकर समितियों ने तैयारियां पूरी की थीं।

पूजन सामग्री खरीदने बाजार पहुंचे लोग- नवरात्रि के पहले दिन रविवार को घट स्थापना और पूजा-अर्चना के लिए पूजन सामग्री की खरीदारी को लेकर बाजारों में भी चहल-पहल रही। श्रद्धालुओं ने कलश, नारियल, चुनरी, फूल और अन्य पूजन सामग्री खरीदी। मंदिरों से लेकर घरों और सार्वजनिक पांडालों तक नवरात्रि की शुरुआत के साथ धार्मिक उत्साह दिखाई दिया। अगले नौ दिनों तक शहर में देवी आराधना, विशेष पूजन और गरबा आयोजनों की रौनक बनी रहेगी।

आज से देवासगेट बस स्टैंड बंद... बाजार की रौनक पर पड़ेगा असर

रेलवे स्टेशन से इंदौर गेट तक के कारोबारी चिंतित

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। देवासगेट बस स्टैंड पर आज सोमवार से बसों का संचालन बंद होने के साथ ही रेलवे स्टेशन से इंदौर गेट तक के व्यावसायिक क्षेत्र में सत्राटा बढ़ने की आशंका है। बसों के साथ यात्रियों की आवाजाही भी नानाखेड़ा स्थानांतरित होने से क्षेत्र की दुकानों, होटलों और रेस्टोरेंट के कारोबार पर आर्थिक असर पड़ सकता है।

देवासगेट क्षेत्र में कई व्यवसाय यात्रियों की आवाजाही पर निर्भर हैं। बसों से आने-जाने वाले यात्री आसपास के होटलों में ठहरते हैं, रेस्टोरेंट में भोजन करते हैं और

दुकानों से खरीदारी भी करते हैं। इससे छोटे-बड़े कारोबारियों को ग्राहकी मिलती है। अब बसों का संचालन नानाखेड़ा से होने पर यात्रियों की संख्या घटने और कारोबार प्रभावित होने की चिंता बढ़ गई है।

यातायात सुधरेगा, कारोबार पर दबाव की आशंका- सिंहस्थ-2028 की तैयारियों, सड़क चौड़ीकरण और एलिवेटेड ब्रिज निर्माण के बीच यातायात का दबाव कम करने के लिए प्रशासन ने बसों का संचालन नानाखेड़ा बस स्टैंड से करने का निर्णय लिया है। इससे शहर के प्रमुख मार्गों पर बसों की आवाजाही

कम होने की उम्मीद है, लेकिन देवासगेट क्षेत्र के कारोबारियों के सामने ग्राहकी बनाए रखने की चुनौती रहेगी। आज से देवास गेट बस स्टैंड बंद होने का असर केवल यातायात व्यवस्था तक सीमित नहीं रहेगा।

यात्रियों की नियमित आवाजाही कम होने से दुकानों की बिक्री, होटल-रेस्टोरेंट की ग्राहकी और स्थानीय व्यापार की आय प्रभावित हो सकती है। कारोबारियों को आशंका है कि सोमवार से बसों की आवाजाही थमने के साथ ही इस व्यावसायिक क्षेत्र की पहले जैसी चहल-पहल भी कम हो जाएगी।

बाइक सवार के पास थैले में भरी मिली अवैध शराब

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सर्कल भ्रमण पर निकली नरवर पुलिस को सूचना मिली कि ग्राम मुंजाखेड़ी-पिपलोदा द्वारकाधीश मार्ग पर बाइक सवार युवक अवैध शराब लेकर आया है, वह किसी को देने के लिये इंतजार कर रहा है। सूचना पर थाना प्रभारी बल्लू मंडलई एसआई रोहित टीम के साथ घेराबंदी करने पहुंचे। युवक ने पुलिस को देख बाइक छोड़कर भागने का प्रयास किया, लेकिन उसे पीछा कर पकड़ लिया गया। उसकी बाइक पर 2 थैले रखी थे। जिनकी तलाशी लेते पर उसमें भरे देशी शराब के 305 क्रांटर बरामद हो गये। थाना प्रभारी मंडलई ने बताया कि युवक ने पूछताछ में अपना नाम रोहित पिता जुगलदास 28 वर्ष निवासी शिखरजीधाम विकास नगर थाना औद्योगिक क्षेत्र जिला देवास बताया। शराब देवास से लेकर आना कबूल किया और बिना दस्तावेज की होना बताई। मामला अवैध शराब से जुड़ा होने पर आरोपी युवक की बाइक जप्त कर उसके खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 34 (2) का प्रकरण दर्ज किया गया। जप्त शराब 28 हजार के लगभग और बाइक 50 हजार कीमत की है।

दिन-रात के तापमान में 18 डिग्री का अंतर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। अक्टूबर माह प्रथम सप्ताह बीत चुका है, बावजूद मौसम अब भी मार्च अप्रैल की गर्मी जैसा लग रहा है। दिन का तापमान 36 से 37 डिग्री के बीच दर्ज हो रहा है। दिन-रात के तापमान में 18 डिग्री का अंतर बना हुआ है। अधिकतम तापमान में तेजी बनी होने से लोगों के स्वास्थ्य पर असर पड़ रहा है। इस बार वर्षाकाल में पर्याप्त बारिश नहीं होने और औसत पर 10 इंच कम बारिश होने के चलते अक्टूबर माह के प्रथम सप्ताह गुजर जाने के बाद भी मौसम में ठंडक नहीं आई है। पिछले कुछ दिनों से अधिकतम तापमान 36 डिग्री से अधिक दर्ज हो रहा है। दिन में उमस और गर्मी मार्च अप्रैल जैसी महसूस हो रही है। जिसके चलते लोगों का स्वास्थ्य बिगड़ रहा है। रात के तापमान 18 से 20 डिग्री के बीच बना हुआ है। सुबह हल्की गुलाबी ठंड लग रही है लेकिन सूर्योदय के साथ ही गर्मी महसूस हो रही है। मौसम विभाग की माने तो कुछ दिन मौसम का मिजाज नरम गरम बना रहेगा। 20 अक्टूबर बाद मौसम में ठंडक आ सकती है। लेकिन कड़के की ठंड के लिये लम्बा इंतजार करना पड़ सकता है।

सर्दी-जुवाब के साथ बुखार के मरीज- दिन में गर्मी और रात में हल्की ठंड बनी होने का असर आमजन के स्वास्थ्य पर पड़ता दिखाई दे रहा है। दिन में कूलर एसी की हवा और ठंडे पानी के सेवन से सर्दी जुवाब के साथ बुखार के मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी देखी जा रही है। सबसे ज्यादा समस्या बुजुर्गों के साथ बनी हुई है। डॉक्टरों के अनुसार ऐसे मौसम में बुखार-जुवाब होने पर सलाह के बाद ही उपचार संबंधित दवाओं का उपयोग करें। अपनी मर्जी से दवा का सेवन करना स्वास्थ्य पर भारी पड़ सकता है।

शक्ति स्ववाद: सुरक्षा के साथ संभालेंगी भरोसे की कमान

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। नवरात्रि में आज से गरबो की धूम शुरू हो जाएगी। गरबा पांडालों में महिला और युवतियों की सुरक्षा को देखते हुए महिला पुलिस कर्मियों की शक्ति स्काड गठित की गई है। सुरक्षा के साथ भरोसे की कमान भी संभाली जाएगी। कॉमेंट्स करने और छेड़छाड़ करने वालों के खिलाफ एक्शन भी लिया जाएगा। एसपी प्रदीप शर्मा ने बताया कि नवरात्रि का पर्व सुक्रा और सौहार्द के साथ मनाना जा सके इसको लेकर महिला पुलिस कर्मियों की शक्ति स्काड गठित की गई है। 150 से अधिक महिला पुलिससकर्मिं रात 8 बजे से 2 बजे तक गरबा पांडालों के आसपास भ्रमण करेगी। महिला और युवतियों की सुरक्षा के साथ ही देर रात अकेली होने पर उन्हें घर तक पहुंचाने का भरोसा भी स्काड द्वारा दिलाया जाएगा। पूरे शहर में डायल 112 के 34 वाहन तैनात रहेंगे उसमें भी महिला पुलिस कर्मियों की ड्यूटी होगी। 28 दो पहिया वाहनों पर भी महिला पुलिससकर्मिं गली मोहल्ले में भ्रमण करेंगी। आज रात से सभी की ड्यूटी शुरू हो जाएगी। शक्ति स्काड द्वारा छेड़छाड़ करने वाले युवकों पर नजर रखी जाएगी। उनकी गतिविधियां सामने आते ही एक्शन लिया जाएगा और कार्रवाई की जाएगी। एसपी प्रदीप शर्मा के अनुसार पिछले दो सालों से नवरात्रि के समय इस तरह की व्यवस्था लागू की जा रही है जिसके परिणाम काफी अच्छे सामने आए थे इस बार भी महिलाओं की सुरक्षा को देखते हुए टीम गठित की गई है।

शहर के ट्रैफिक का दबाव घटाने के लिए नए रास्तों की तैयारी

इंदौर रोड पर तपोभूमि, डीमार्ट और हरिफाटक के पास प्रस्तावित मार्ग चिन्हित

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ में लाखों श्रद्धालुओं और वाहनों की आवाजाही के बीच शहर की सड़कों पर जाम न लगे, इसके लिए नए रास्तों और वैकल्पिक मार्गों की तैयारी की जा रही है। इंदौर रोड पर तपोभूमि चौराहे से लेकर डीमार्ट और हरिफाटक ब्रिज तक प्रस्तावित मार्गों को चिन्हित किया गया है। जिनका रविवार को कलेक्टर ने निरीक्षण किया। उल्लेखनीय है कि प्रस्तावित वैकल्पिक रास्तों की उपयोगिता, यातायात के दबाव और कनेक्टिविटी के आधार पर कार्ययोजना तैयार की जाएगी। योजना में बाहरी वाहनों के साथ शहर के स्थानीय यातायात को भी अलग से व्यवस्थित करने पर जोर है।

कलेक्टर रोशन कुमार सिंह ने तपोभूमि चौराहे पर अंडरपास, नए

मार्ग और सर्विस रोड की स्थिति देखी। इसके बाद डीमार्ट के सामने प्रस्तावित यातायात व्यवस्था का जायजा लिया। इंजीनियरिंग कॉलेज की ओर से आने वाले वाहनों को इंदौर रोड और महाकाल मंदिर की ओर भेजने के लिए प्रस्तावित टर्निंग प्वाइंट भी देखा। महामुल्यंजय द्वार से नानाखेड़ा और इंदौर रोड की ओर जाने वाले वाहनों के लिए प्रस्तावित मार्ग तथा हरिफाटक ब्रिज के पास सुनिटी मॉल को जोड़ने वाले मार्ग के निर्माण स्थल का भी निरीक्षण किया।

बाहरी वाहनों के लिए तय होंगे रास्ते- सिंहस्थ के दौरान दूसरे जिलों और राज्यों से बढ़ी संख्या में वाहन उज्जैन पहुंचेंगे। इन्हें शहर के भीतर अनावश्यक रूप से प्रवेश करने से रोकने और श्रद्धालुओं को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए यातायात

के अनुसार मार्ग तय किए जाएंगे। स्थानीय वाहनों के लिए भी सर्विस रोड और वैकल्पिक रास्तों की व्यवस्था की जाएगी, ताकि बाहरी वाहनों का दबाव शहर के अंदरूनी यातायात को प्रभावित न करे।

साइन बोर्ड और दिशा संकेत भी जरूरी- कलेक्टर ने अधिकारियों को मार्गों की विस्तृत योजना बनाने और यातायात पुलिस के साथ समन्वय करने के निर्देश दिए। वाहन चालकों को रास्तों की सही जानकारी देने के लिए प्रमुख स्थानों पर दिशा संकेतक लगाने की योजना भी बनाई जाएगी। निरीक्षण के दौरान एसपी मनोज कुमार खत्री, यातायात डीएसपी दिलीप सिंह परिहार सहित एसपीआरडीसी, उज्जैन विकास प्राधिकरण और निर्माण एजेंसियों के अधिकारी मौजूद रहे।

शनिचरी अमावस्या के बाद रातभर चला नगर निगम का विशेष सफाई अभियान, शनि मंदिर त्रिवेणी घाट को बनाया पुनः साफ एवं स्वच्छ

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शनिचरी अमावस्या पर्व पर त्रिवेणी स्थित शनि मंदिर एवं घाट क्षेत्र में हजारों श्रद्धालुओं के आगमन के बाद नगर निगम उज्जैन द्वारा स्वच्छता व्यवस्था को लेकर विशेष अभियान चलाया गया। निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा के निर्देशानुसार पर्व के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए व्यापक व्यवस्थाएं करने के साथ ही पर्व की समाप्ति के पश्चात रात्रिकालीन विशेष सफाई अभियान चलाकर मंदिर परिसर एवं घाट क्षेत्र को पुनः स्वच्छ बनाया गया। अभियान शनिवार रात्रि से प्रारंभ होकर रविवार सुबह तक निरंतर जारी रहा जिसके परिणाम स्वरुप घाट पुनः साफ और स्वच्छ हुए।

पर्व के दौरान सुविधाओं के साथ स्वच्छता पर विशेष ध्यान- शनिचरी अमावस्या के विशेष संयोग को देखते हुए शनि मंदिर त्रिवेणी घाट एवं अन्य प्रमुख घाटों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। श्रद्धालुओं की सुविधा और स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए नगर निगम द्वारा स्नान के लिए फव्वारों, बक्स बदलने के लिए पृथक चेंजिंग रूम, बड़े डस्टबिन, पानी के टैंकर और चलित शौचालयों की व्यवस्था की गई। घाट पर मन्नत के रूप में छोड़े जाने वाले



कपड़ों, जूते-चप्पलों एवं अन्य सामग्री के संग्रहण के लिए भी विशेष इंतजाम किए गए। व्यवस्थाओं को सुचारु बनाए रखने के लिए 90 से अधिक सफाई मित्रों को अलग-अलग शिफ्ट में तैनात किया गया। स्वास्थ्य अधिकारियों, स्वच्छता निरीक्षकों एवं दरोगाओं ने सफाई कार्य की सतत निगरानी की, ताकि पर्व के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

पर्व समाप्त होते ही रात में शुरू हुई विशेष सफाई- शनिचरी अमावस्या के समापन के बाद नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग ने तत्काल रात्रिकालीन सफाई अभियान प्रारंभ किया। शनि मंदिर परिसर एवं घाट क्षेत्र में श्रद्धालुओं द्वारा छोड़े गए कपड़े, जूते-चप्पल और अन्य सामग्री को सफाई मित्रों द्वारा अलग-

अलग एकत्रित किया गया। इसके बाद रात्रि को जेसीबी मशीन की सहायता से एकत्रित सामग्री को डंपर एवं ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में भरकर ट्रान्स्फर स्टेशन पहुंचाने की व्यवस्था की गई।इस अभियान का उद्देश्य केवल घाट की सफाई करना ही नहीं, बल्कि पर्व के बाद भी धार्मिक स्थलों की स्वच्छता और गरिमा बनाए रखना था। रात्रि से सुबह तक चले अभियान के परिणामस्वरूप श्रद्धालुओं की भारी आवाजाही वाले शनि मंदिर एवं त्रिवेणी घाट क्षेत्र को पुनः साफ-सुथरा बनाया गया

कचरे का निस्तारण नहीं, उपयोगी सामग्री में होना रूपांतरण - नगर निगम द्वारा एकत्रित कपड़ों एवं जूते-चप्पलों का उपयोग उनकी स्थिति के अनुसार किया जाएगा। अनुपयोगी कपड़ों से फाइल कवर

तथा अनुपयोगी जूतों से (रिफ्यूज ड्राइड्ड फ्यूल) तैयार करने की योजना है। वहीं, पुनः उपयोग योग्य कपड़ों एवं जूते-चप्पलों को 3-ऊ केंद्र में रखा जाएगा, जहां से इन्हें जरूरतमंद नागरिकों को उपलब्ध कराया जाएगा।

इस पहल के माध्यम से नगर निगम स्वच्छता के साथ-साथ Reduce, Reuse और Recycle (3-R) की अवधारणा को भी बढ़ावा दे रहा है। इससे धार्मिक आयोजनों के बाद निकलने वाली सामग्री का व्यवस्थित संग्रहण एवं उपयोग सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

शनिचरी अमावस्या एवं सर्वपितृ अमावस्या के अवसर को ध्यान में रखते हुए नगर निगम द्वारा अन्य प्रमुख घाटों पर भी आवश्यक व्यवस्थाएं की गईं। स्वच्छता, पेयजल और श्रद्धालुओं की सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया गया, जिससे पर्व के दौरान व्यवस्थाएं सुचारु बनी रहें नगर निगम द्वारा पर्व के दौरान व्यवस्थाओं के संचालन और पर्व समाप्ति के बाद त्वरित सफाई के माध्यम से यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया कि धार्मिक स्थलों की स्वच्छता बनी रहे और श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलें।

सिंहस्थ में विदेशी संस्थाओं के काम करने पर लगे प्रतिबंध, स्वनाथ परिषद ने पारित किया प्रस्ताव

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी सिंहस्थ कुंभ में गुप्त होने वाले या अनाथ बच्चों के मामले में किसी भी बाहरी या विदेशी संस्था व कंपनी को काम करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। समाट विक्रमादित्य भवन में

आयोजित विश्व मांगल्य स्वनाथ परिषद की तीन दिवसीय अखिल भारतीय कार्यशाला में यह अहम प्रस्ताव पारित किया गया। परिषद ने संकल्प लिया है कि सिंहस्थ क्षेत्र में विदेशी हस्तक्षेप रोकने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। अनाथ (स्वनाथ) और सीएनसीपी बच्चों के कल्याण की दिशा में काम करने वाले इस देशव्यापी संगठन की अखिल भारतीय कार्यशाला का शुभारंभ परिषद के मार्गदर्शक प्रशांत हस्तालकर, वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता सुधीर गोयल, अखिल भारतीय संयोजिका अंजली देव और अखिल भारतीय निदेशक नीरज चौधरकर ने दीप प्रज्वलन कर किया। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि सुधीर गोयल ने समाज की वर्तमान स्थिति पर चिंता जताते हुए विश्वास व्यक्त किया कि स्वनाथ



बनने के बाद ठेले और दुकानें तय जगह पर लगेंगी। इससे सड़क पर भीड़ कम होगी और लोगों को आने-जाने में आसानी होगी।

दुकानदारों के लिए अलग-अलग जगह तय - हॉकर्स जोन में अलग-अलग कारोबार करने वाले दुकानदारों के लिए लाइसें बनाई जाएंगी। इससे हर दुकानदार को अपनी दुकान लगाने के लिए तय जगह मिल सकेगी। शेड बनने से दुकानदारों को भी सुविधा मिलेगी। महापौर मुकेश टटवाल ने बताया कि छोटे व्यापारियों और हाथ ठेला

संचालकों की परेशानी को देखते हुए यह योजना बनाई गई है। इसी क्षेत्र में मछली बाजार के लिए भी जगह दी जाएगी।

शहर में पांच जगह बनेंगे हॉकर्स जोन- नगर निगम शहर में पांच जगहों पर हॉकर्स जोन बनाने की योजना पर काम कर रहा है। इसका मकसद ठेले और फुटकर दुकानों को एक तय जगह पर लगवाना है, ताकि सड़कों पर अतिक्रमण कम हो और बाजारों में जाम की समस्या से राहत मिले। हॉकर्स जोन बनने से दुकानदारों की कारोबार के लिए जगह मिलेगी और लोगों को बाजार में आने-जाने में कम परेशानी होगी। अब यह व्यवस्था कितनी कारगर रहती है, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि दुकानदार तय जगह पर ही दुकानें लगाएं और सड़क पर दोबारा ठेले न लगने दिए जाएं।

महाकाल के दरबार में पहुंचे गौतम गंभीर, टीम इंडिया के लिए मांगा आशीर्वाद



उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत और वेस्टइंडीज के बीच इंदौर के होलकर स्टेडियम में होने वाले पांचवें टी-20 मुकाबले से पहले भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर और बैटिंग कोच रिसांतोश कोटक रविवार सुबह बाबा महाकाल के दरबार में पहुंचे। दोनों ने भगवान

महाकाल के दर्शन कर आशीर्वाद लिया और देश के साथ टीम इंडिया की सफलता की कामना की। गौतम गंभीर और रिसांतोश कोटक सुबह करीब 10 बजे महाकाल मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने चांदी द्वार से भगवान महाकाल के दर्शन किए। इसके बाद दोनों नंदी हॉल पहुंचे और कुछ देर बैठकर ध्यान लगाया। दर्शन के दौरान उज्जैन के सांसद अर्जुन पिरोजिया भी उनके साथ मौजूद रहे। मंदिर समिति और सांसद की ओर से दोनों का स्वागत किया गया। बोले गंभीर- देश और टीम पर बना रहे आशीर्वाद- भगवान महाकाल के दर्शन के बाद गौतम गंभीर ने कहा कि बाबा महाकाल ने उन्हें हमेशा अपने पास बुलाया है। उन्होंने प्रार्थना की कि भगवान का आशीर्वाद पूरे देश और भारतीय क्रिकेट टीम पर बना रहे। क्रिकेट मुकाबले से पहले गंभीर का महाकाल मंदिर पहुंचना चर्चा का विषय रहा।

नींद से नहीं जागा युवक, साइलेंट अटैक की आशंका

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। भिंड के रहने वाले युवक को रिशतेदार ने रविवार सुबह नींद से जागाया तो वह नहीं उठा। अस्पताल लाने पर डॉक्टर ने परीक्षण के बाद मृत घोषित कर दिया। आशंका जताई गई की साइलेंट अटैक आया था। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम किया है।

चिमनगंज थाना क्षेत्र के गणेश नगर से भीकम सिंह पिता तुलसीराम बघेल 45 साल निवासी भिंड को उसका साइू भाई जयसिंह सुबह चरक अस्पताल लेकर पहुंचा था। डॉक्टर ने परीक्षण के बाद मृत घोषित कर दिया। जयसिंह ने बताया कि भीकम मूल रूप से भिंड का रहने वाला था। एक माह पहले उज्जैन आया था और पेटरी का काम कर रहा था। रात में 10 बजे खाना खाया था। 11 बजे तक बातचीत करने के बाद कमरे में सोने चला गया था सुबह 8 बजे तक नहीं उठा तो जागने का प्रयास किया गया था। भीकम चार बच्चे का पिता था। पुलिस के अनुसार मामले में मर्ग कायम किया गया है मृतक का पोस्टमार्टम कराया गया है।

2 दिन बाद घायल की हुई मौत- महिदपुर के वणी गांव में रहने वाला गोवर्धन चौधरी 56 साल 2 दिन पहले लाहौर और किराना सामान की खरीदी करने महिदपुर आया था वापस गांव लौटते समय अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी थी। गंभीर घायल होने पर उपचार के लिए उज्जैन लाया गया था जहां निजी अस्पताल में उपचार के बाद चरक अस्पताल लाया गया जहां रात में गोवर्धन की मौत हो गई। अस्पताल चौकी पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया है जांच महिदपुर पुलिस को भेजी जाएगी।

पुलिस कप्तान ने प्रधान आरक्षक को दिया नगद इनाम

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज लंबित शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण करने पर पुलिस कप्तान प्रदीप शर्मा ने महाकाल थाना प्रधान आरक्षक मनीष यादव को 5 हजार के नगद इनाम से पुरस्कृत किया। बताया जा रहा है कि लंबित शिकायतों में एक 1556 दिन पुरानी थी। उक्त शिकायत के निराकरण के लिये कई अधिकारियों द्वारा प्रयास किया गया, लेकिन शिकायतकर्ता को संतुष्ट नहीं कर पाये थे। प्रधान आरक्षक मनीष यादव ने मामले को समझा और शिकायत करने वाले से चर्चा कर उसे पूरी तरह से संतुष्ट किया। साढ़े चार साल से लंबित शिकायत का प्रधान आरक्षक द्वारा निराकरण करने की खबर पुलिस कप्तान को पता चली तो उन्होंने 5 हजार के नगद इनाम से पुरस्कृत किया। महाकाल थाना प्रभारी गगन बादल ने बताया कि प्रधान आरक्षक द्वारा सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज कई शिकायतकर्ता को संतुष्ट कर उनकी समस्या का समाधान करते हुये काप्र के प्रति कर्तव्यनिष्ठा का परिचय दिया है।



परिषद जैसी ऊर्जावान युवा संस्थाएं ही सामने आकर समाज में बदलाव ला सकती हैं। उन्होंने सेवाधाम आश्रम में दिव्यांग अनाथों की सेवा गतिविधियों की जानकारी भी दी। प्रस्तावना में अंजली देव ने कार्यशाला के उद्देश्य और संकल्पना पर प्रकाश डाला।

विभिन्न प्रांतों से आए कार्यकर्ताओं को आओ कण्व बनें हम और हर बच्चे को मां के केंद्रीय भाव के साथ प्रशिक्षण दिया गया। कृपाशंकर चौबे ने फॉस्टर केयरिंग, दत्तक प्रक्रिया और मिशन वाल्टर्य की महत्वपूर्ण जानकारी दी। सत्रों में स्वनाथ बच्चों की पृष्ठभूमि, वर्तमान परिस्थिति, शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वावलंबन, स्वरोजगार और सुरक्षा जैसे विषयों पर विशेषज्ञों ने मार्गदर्शन दिया। कार्यकर्ताओं को सेवाधाम आश्रम प्रकल्प के भ्रमण से प्रत्यक्ष सेवा कार्यों का अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिला। सदाचार सभा के माध्यम से बच्चों में संस्कार, नैतिकता और सामाजिक दायित्वों पर चिंतन किया गया और आपटर केयरिंग व संगठनात्मक संरचना पर विचार रखे गए।